



अब हर
रोज दर्पण
▶▶ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



सतना में रामनवमी की धुन
और दुर्गा माता ... ▶▶ 4



यादें के सेट पर पप्पीज़ के
साथ वक्त बिताती... ▶▶ 7



निजी मकान में लग रहीं
सरकारी स्कूल ... ▶▶ 9

सूर्योदय - 6.09 | सूर्यास्त - 5.42



नवरात्र का आठवां दिन



अष्टम माता महागौरी

घर में पति-पत्नी 3 बच्चों की लाश मिली

नोएडा। यूपी में ग्रेटर नोएडा के नगला श्रीपदम गांव में शनिवार को एक घर में पति-पत्नी और उनके 3 बच्चों की लाश मिली। सुबह काफी देर तक परिवार नहीं उठ तो पड़ोसियों को शक हुआ। दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो पांचों बिस्तर पर पड़े थे। एक के मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस घर पहुंची तो पिता बेटे से लिपटे हुए चारपाई पर मृत मिले। दूसरे बिस्तर पर मां छोटे बेटे और बेटी से लिपटी हुई थीं। मृगकों की पहचान महेश (37), पत्नी ललिता (35), बेटे लड्डू (11), साक्षत (3) और बेटी मिथी (7) के रूप में हुई है। डीसीपी ब्रजग कुमार सिंह ने बताया कि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगी। वहीं, पड़ोसियों का आरोप है कि प्रॉपर्टी को लेकर महेश का अपनी मां से अक्सर झगड़ा होता था। मां कहती थी कि सब कुछ बेटी और दामाद के नाम कर देंगी। पड़ोसियों ने मां पर नूडल्स में जहर मिलाकर देने का भी आरोप लगाया। घटनास्थल जेवर एयरपोर्ट से 6 किमी और जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर है।

कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी मारे गए

श्रीनगर। कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास शनिवार सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक दो आतंकी मारे गए हैं। पहले इस घटना को घुसपैठ की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे या नहीं। सेना के मुताबिक, कुपवाड़ा स्थित केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में शनिवार सुबह करीब 3:30 बजे सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। सच ऑपरेशन अभी जारी है।

जे.पी. नड्डा ने अस्पताल पहुंचकर ली आडवाणी के स्वास्थ्य की जानकारी

नई दिल्ली। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को सीने में इन्फेक्शन के चलते दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल के मुताबिक, उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है, जहां न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर विनीत सूरी की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और वे लगातार डॉक्टरों की निगरानी में हैं। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा नेता जे.पी. नड्डा ने अस्पताल पहुंचकर लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके को मिली जमानत

नई दिल्ली (वार्ता)। कांकोच जनाता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके को शनिवार शाम विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने कुछ शर्तों पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। उन्हें आज सुबह ही गिरफ्तार किया गया था। श्री दिपके को यहां कर्नाट प्लेस में लहरा दो तिरंगा मार्च निकालने की कोशिश के सिलसिले में शुक्रवार को हिरासत में लिया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने सीजेपी की ओर से आयोजित पिछले प्रदर्शन के बाद भरे मुचलके की शर्तों का उल्लंघन किया है मुचलके में कहा गया था कि वह शांति व्यवस्था बनाए रखेंगे। पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बोएनएसएस) की धारा 126/170 के तहत कार्रवाई की है। उन्हें आज शाम को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां उन्हें कुछ शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए गए। इससे



पहले शुक्रवार को सीजेपी ने दावा किया था कि श्री दिपके को किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया था। संगठन के राष्ट्रीय प्रभारी अजिंक्य शिंदे ने शुक्रवार देर रात कहा था कि उन्हें हिरासत में लिए जाने के आठ घंटे से अधिक समय बाद भी उनके टिकाने की जानकारी नहीं दी गई और उन्हें वकील या पार्टी टीम से बात करने की अनुमति नहीं दी जा रही थी। पुलिस ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और यातायात का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए शुक्रवार को लगभग 150 लोगों को हिरासत में लिया गया था। सीजेपी के सह-संयोजक सौरभ दास और आशुतोष रांका पहले से ही पांच दिन की व्यापिक हिरासत में हैं। सर्वश्री दास, रांका और 12 अन्य लोगों को मंगलवार (13 अक्टूबर) की सुबह जंतर-मंतर के बंद द्वार पर चढ़कर परिसर में प्रवेश करने के बाद हिरासत में लिया गया था।

बाबा खाटू श्यामजी जा रही बस नाले में गिरी, आठ मृत, 12 घायल

कोटा (वार्ता)

राजस्थान में कोटा के समलिया थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेसवे- 8 लेन पर एक ट्रेवलर बस के अनियंत्रित होकर पुलिया से गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि भोपाल से करीब 25 लोग ट्रेवलर बस से राजस्थान में प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटू श्यामजी जा रहे थे। तड़के कराड़िया इंटरचेंज पुलिस पर अचानक ट्रेवलर बस अनियंत्रित होकर पुलिया से करीब 15 फुट नीचे गिर गई। इस आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 12 लोग घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को कोटा



के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुजीत शंकर ने

बताया कि अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से सात की पहचान हो गई है। पांच लोग मध्यप्रदेश में बैतूल जिले के हैं। कलेक्टर पीयूष सामरिया ने भी मेडिकल हादसा चालक को नॉट आने के चलते हुआ। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल नीलेश जैन ने बताया कि सभी घायलों का इलाज जारी है। कलेक्टर पीयूष सामरिया ने भी मेडिकल कालेज में पहुंचकर घायलों की स्थिति जानी।

मुख्यमंत्री ने दुर्घटना पर गहन दुःख व्यक्त किया, मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को कोटा में भोपाल से खाटू श्यामजी जा रही एक मिनी बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से हुई जनहानि पर गहन दुःख और शोकाकुल परिवारों के प्रति आत्मीय संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि दुर्घटना अत्यंत ही दुःखद एवं पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन की ओर से भोपाल एवं बैतूल जिले के निवासी मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के साथ हर संभव सहयोग प्रदान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस असीम दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

बच्चों को इंटरनेट से वंचित नहीं रख सकते यह उनका मौलिक अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करना हर व्यक्ति, यहां तक कि बच्चों का भी मौलिक अधिकार है। बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर रखना बेतुका होगा। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और उनकी आजादी, दोनों का ध्यान रखना जरूरी है। कोर्ट ने कहा- इंटरनेट पर गलत कंटेंट होने के कारण बच्चों के लिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगाना सही नहीं है। ऐसी रोक से बच्चे कम सुरक्षित वेबसाइटों और प्लेटफॉर्म पर जा सकते हैं। ऑनलाइन धमकी या शोषण का सामना करने वाले बच्चे शिकायत करने से भी डर सकते हैं। कोर्ट ने बच्चों के यौन शोषण और दुर्यवहार से जुड़े ऑनलाइन कंटेंट को पहचानने और हटाने की व्यवस्था मजबूत करने के लिए केंद्र को नेशनल डेटाबेस बनाने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया कंपनियों को भी ऐसा कंटेंट हटाने के दो घंटे के भीतर पुलिस या साइबर क्राइम पोर्टल को रिपोर्ट देनी होगी।

बाल यौन शोषण कंटेंट हटाने के लिए डेटाबेस बने



स्कूली पढ़ाई में शामिल होगी ऑनलाइन सुरक्षा

कोर्ट ने कहा कि सिर्फ तकनीकी इंतजाम बच्चों को इंटरनेट पर सुरक्षित रखने के लिए काफी नहीं हैं। बच्चों को ऑनलाइन खतरों को पहचानना, अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखना और गलत व्यवहार होने पर मदद मांगना भी सिखाना जरूरी है। बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से सहमति, स्वस्थ रिश्तों, सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श, ऑनलाइन शोषण और उसकी शिकायत करने के तरीकों के बारे में बताया जाना चाहिए। कोर्ट ने नेशनल कार्डसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग और राज्य की शैक्षिक संस्थाओं से कहा कि वे बाल मनोवैज्ञानिकों, शिक्षकों और अभिभावक विशेषज्ञों की मदद से पढ़ाई की सामग्री तैयार करें।

पेड और सब्सक्रिप्शन वाली सेवाओं की भी जांच होगी

कोर्ट ने पेड और सब्सक्रिप्शन वाली वेबसाइटों और सेवाओं की सख्ती से जांच करने को कहा है। यह सुनिश्चित करना होगा कि इनके जरिए बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा या अन्य प्रतिबंधित कंटेंट न दिखाया जाए और न फैलाया जाए। कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी विचार करने को कहा है कि ऐसी सामग्री से कमाई गई रकम जब्त करके वापस ली जा सकती है या नहीं। गृह मंत्रालय की ओर से 29 जुलाई 2025 को लोकसभा में पेश एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, बच्चों की अश्लील तस्वीरों और वीडियो से जुड़े मामले 2018 में 44 थे, जो 2022 में बढ़कर 1,171 हो गए। यानी 26.6 गुना बढ़े।

डेटाबेस में कंटेंट की जांच के लिए होंगे से इंतजाम

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने डेटाबेस में दर्ज सामग्री की सही पहचान करने के लिए कई निर्देश दिए हैं। डेटाबेस में कंटेंट का डिजिटल हैश और उस वेबसाइट का लिंक रखा जाएगा, जहां वह मौजूद है। तीन विशेषज्ञ करेंगे जांच सामग्री को डेटाबेस में जोड़ने से पहले

कम से कम तीन प्रशिक्षित विशेषज्ञ स्वतंत्र रूप से जांचेंगे कि वह बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी है या नहीं। शुरूआती जांच में साफ्टवेयर की मदद ली जा सकती है। सोशल मीडिया कंपनियां अपने प्लेटफॉर्म पर मौजूद कंटेंट का डेटाबेस से मिलान कर सकेंगी। इससे वही सामग्री दूसरे प्लेटफॉर्म पर दोबारा अपलोड

होने पर भी पहचानी जा सकेगी। जांच का रिकॉर्ड रखा जाएगा और डेटाबेस तक किसने पहुंच बनाई, इसकी जानकारी दर्ज होगी। समय-समय पर स्वतंत्र ऑडिट होगा और गलत तरीके से दर्ज सामग्री को हटाने और उसकी शिकायत करने की व्यवस्था बनाई जाएगी।

जनगणना प्रमाणकों का दायरा बढ़ाना आरएसएस वालों के लिए रोजगार का पिटारा खोलना है : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार आरोप लगाया है कि जनगणना 2027 के बीच प्रमाणकों की पात्रता का विस्तार, बेलगाम में आरएसएस के जनगणना संबंधी प्रशिक्षण शिविर और जनसांख्यिकीय बदलावों पर केंद्र सरकार की उच्चस्तरीय समिति की गतिविधियां कई सवाल खड़े करती हैं। कांग्रेस संचार

को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि आरएसएस ने बेलगाम में 10 से 12 जुलाई तक जनगणना 2027 को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने प्रमाणकों के लिए पात्रता का दायरा बढ़ाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि इन घटनाक्रमों

को अलग-अलग करके नहीं देखा जा सकता और आरोप लगाया कि पात्रता का विस्तार आरएसएस-भाजपा से जुड़े हजारों कार्यकर्ताओं के लिए रोजगार की व्यवस्था करने की कवायद हो सकता है। श्री रमेश ने 26 मई को गठित जनसांख्यिकीय बदलावों पर उच्चस्तरीय समिति और 14 अक्टूबर को उसके सुझाव आमंत्रित करने का भी उल्लेख किया।

जंतर-मंतर हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति ने पोर्टल शुरू किया

नई दिल्ली (वार्ता)। गत जुलाई में नयी दिल्ली के जंतर-मंतर और दिल्ली के बाहर हुई हिंसा की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की ओर से गठित उच्चस्तरीय जांच समिति (एचपीईसी) ने पोर्टल शुरू कर दिया किया है जिसके जरिए हिंसा से प्रभावित लोग, पुलिसकर्मी और अन्य संबंधित लोग अपनी शिकायतें, सुझाव और जरूरी जानकारी दे सकेंगे। गृह मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पोर्टल पर शिकायत करने वालों की



पहचान गोपनीय रखने की भी व्यवस्था की गयी है। समिति 18 अगस्त 2026 और 10 सितंबर 2026 को शीर्ष न्यायालय की ओर से दिये गये आदेशों में बताये गये मुद्दों की जांच करेगी। इसमें

पेलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने और उन्हें परेशान करने, दोनों पक्षों की ओर से हुई अत्याधिक हिंसा और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे मामलों को प्राथमिकता दी जायेगी।

खाद्य सुरक्षा उल्लंघन : एफएसएसएआई ने प्रियागोल्ड बिस्किट और डोडला डेयरी समेत कई कंपनियों पर मुकदमा चलाने की दी मंजूरी

नई दिल्ली (वार्ता)

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ और खाद्य सुरक्षा के गंभीर उल्लंघनों के मामलों में सख्त रुख अपनाने हुए मेसर्स सूर्या फूड एंड एग्री लिमिटेड (प्रियागोल्ड बिस्किट), मेसर्स डोडला डेयरी लिमिटेड और मेसर्स यूईआईआर ऑर्गेनिक फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मुकदमा शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, एफएसएसए एकट 2006 के तहत शुन्य सहिष्णु नीति का हवाला देते हुए प्राधिकरण ने नरपधम फूड्स, सन रिजेंस हेल्थ केयरर्स और मेसर्स शाह कांतिलाल जयंतीलाल को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। उपभोक्ता की शिकायत पर एफएसएसएआई के मेसर्स सूर्या फूड एंड एग्री लिमिटेड के संयंत्र का निरीक्षण किये जाने पर गंभीर अनियमितताएं सामने आयी। जांच में खुलासा हुआ कि कंपनी अपने मशहूर प्रियागोल्ड बिस्किट में फाइबर के स्रोत के रूप में ईंसानों के खाने में इस्तेमाल न होने लायक और पशु चारे के लिए निर्धारित चोकर का कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल कर रही



थी। बोरियों पर स्पष्ट रूप से पशु चारे से जुड़े होने के निशान संयंत्र में मिली बोरियों पर स्पष्ट रूप से पशु चारे से जुड़े होने के निशान पाये गये। इसके साथ ही परिसर में कौट नियंत्रण, कच्चे माल के भंडारण, रख-रखाव और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता में भारी कमियां पायी गयी, जिसके चलते कंपनी का लाइसेंस पहले ही निलंबित कर दिया गया था। एक अन्य कार्रवाई में मेसर्स यूईआईआर ऑर्गेनिक फूड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बेची जा रही पीली किशमिश (जो ऑर्गेनिक उत्पाद के रूप में बेची जा रही थी)

को नियामकीय नमूने को जांच में असुरक्षित पाया गया। फूड एनालिस्ट और रेफरल फूड लेबोरेटरी दोनों की जांच में किशमिश में तय अनुमेय सीमा से कहीं अधिक मात्रा में हानिकारक कीटनाशक पाये गये। इसमें मुख्य रूप से थायामेथॉक्सम, फ्लुओपिराम, एजोक्सिस्ट्रोबिन, इमिडाक्लोप्रिड और माइक्लोबुटानिल जैसे खतरनाक पेस्टीसाइडों के अवशेष शामिल थे।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर नोटिस जारी

प्राधिकरण ने दुग्ध उत्पाद बनाने वाली प्रमुख कंपनी मेसर्स डोडला डेयरी लिमिटेड (दूध, दही, घी एवं अन्य डेयरी उत्पाद) के खिलाफ भी खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघनों को लेकर कानूनी कार्रवाई की मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त, खाद्य एवं स्वास्थ्य उत्पाद श्रेणी से जुड़ी नरपधम फूड्स, सन रिजेंस हेल्थ केयरर्स और मेसर्स शाह कांतिलाल जयंतीलाल को गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर नोटिस जारी कर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है।



एक ही गर्भगृह में मां काली और अष्टभुज श्री गणेश के दर्शन, श्रद्धालुओं की अटूट आस्था शहडोल से 15 किलोमीटर दूर सिंहपुर मंदिर में उमड़ते हैं श्रद्धालु

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिले के सिंहपुर स्थित मां काली मंदिर आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहां एक ही गर्भगृह में मां काली के साथ अष्टभुज श्री गणेश जी वियोजमान हैं। माता और पुत्र के एक साथ दर्शन करने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं। भक्तों की मान्यता है कि सिंहपुर वाली मां काली के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई मुराद

पूरी होती है। जिला मुख्यालय शहडोल से लगभग 15 किलोमीटर दूर मुख्य मार्ग पर स्थित यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मां काली लोक न्यास के गठन के बाद मंदिर में भक्तों की सुविधाओं और व्यवस्थाओं को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सेवा के लिए मंदिर परिसर में प्रतिदिन विशेष भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। मन्त्र और मनोकामना पूरी होने की कामना लेकर भक्त यहां कथा-पूजन, मुंडन

संस्कार और भंडारे का आयोजन करते हैं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दरबार में जवारा विसर्जन भी करते हैं। धार्मिक आयोजनों और पूजा-अर्चना के चलते मंदिर परिसर में वर्षभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। सिंहपुर वाली मां काली का यह दरबार अपनी विशिष्ट धार्मिक पहचान और एक ही गर्भगृह में मां काली के साथ अष्टभुज श्री गणेश जी की उपस्थिति के कारण श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखता है।

उमरिया जिले के युवा उद्यमी ने रीवा में शुरु की फिटनेस सेंटर सेवा

उमरिया (स्वतंत्रमत)। केंद्र सरकार की वाहन फिटनेस व्यवस्था को तकनीक आधारित बनाने की पहल के बीच उमरिया जिले के युवा उद्यमी अंकित शुक्ला ने रीवा शहर में वाहन



फिटनेस परीक्षण का कार्य शुरू किया है। शुक्ला मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग

सेंटर के नाम से संचालित इस केंद्र को संबंधित विभाग से आधिकारिक मान्यता प्राप्त है। इस पहल से रीवा के वाहन मालिकों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत फिटनेस परीक्षण की सुविधा उपलब्ध होगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने वाहनों की फिटनेस जाँच को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) की व्यवस्था लागू की है। इसके लिए वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने नियम अधिसूचित किए थे। इन प्रावधानों के तहत अधिकृत केंद्रों पर निर्धारित मानकों के अनुसार वाहनों की फिटनेस जाँच की जाती है।

रणविजय चौक पर साकार हो रही मां दुर्गा की दिव्य चेतना

ब्रह्माकुमारीज की चौतन्य झांकी बनी उमरिया की आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक



उमरिया (स्वतंत्रमत)

आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना की अनूठी छटा बिखेरती मां दुर्गा की चौतन्य झांकी उमरिया नगर की धार्मिक परंपरा का एक विशिष्ट आकर्षण बनी हुई है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, राजयोग मेडिटेशन केंद्र, जिला न्यायालय के पीछे, शांति मार्ग उमरिया के तत्वावधान में स्थानीय रणविजय चौक पर विगत 25 वर्षों से मां दुर्गा की चौतन्य झांकी सजाई जा रही है। वर्षों से निरंतर चली आ रही यह आध्यात्मिक पहल श्रद्धालुओं को भक्ति के साथ आत्मिक जागृति का संदेश भी दे रही है। नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा के दिव्य एवं शक्तिशाली स्वरूप के दर्शन श्रद्धालुओं में श्रद्धा,

उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। चौतन्य झांकी के माध्यम से मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की महिमा के साथ शक्ति, साहस, त्याग, पवित्रता और बुराईयों पर अच्छाई की विजय का संदेश प्रस्तुत किया जाता है। ब्रह्माकुमारीज की इस पहल का उद्देश्य धार्मिक आस्था को आध्यात्मिक जागृति से जोड़ना है। संस्था के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया जाता है कि जिस प्रकार मां दुर्गा को शक्ति और विजय का प्रतीक माना जाता है, उसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य भी अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार एवं अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त कर सकता है। राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से मन को शांत, विचारों को सकारात्मक और जीवन को श्रेष्ठ बनाया जा सकता है।

रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति का पुनर्गठन शहडोल के तीन प्रतिनिधियों को मिली जगह

शहडोल (स्वतंत्रमत)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल की मंडल रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति डीआरयूसीसी का आगामी दो वर्षों के लिए पुनर्गठन किया गया है। 1 सितंबर से 31 अगस्त 2028 तक की अवधि के लिए गठित नई समिति में शहडोल के तीन प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, जिला व्यापार एवं उद्योग संच, शहडोल की अनुशंसा पर ए.के. मोहंती को स्थानीय चौंकर ऑफ कॉमर्स, ट्रेड एसोसिएशन एवं इंडस्ट्रीज श्रेणी के अंतर्गत सदस्य बनाया गया है। वहीं, रेल यात्री संच संधाग, शहडोल की अनुशंसा पर अजय कुमार शुक्ला को पंजीकृत यात्री संघों के प्रतिनिधि के रूप में समिति में स्थान दिया गया है। इसी क्रम में सांसद हिमाद्री सिंह की अनुशंसा पर संतोष लोहानी को लोकसभा सांसद के मनोनीत प्रतिनिधि के रूप में सदस्य नियुक्त किया गया है। समिति का उद्देश्य रेल यात्रियों की समस्याओं, यात्री सुविधाओं और उपभोक्ता हितों से जुड़े मुद्दों को रेलवे प्रशासन के समक्ष रखना तथा रेलवे सेवाओं में सुधार के लिए सुझाव देना है। शहडोल के तीनों प्रतिनिधियों के शामिल होने से क्षेत्र के रेल यात्रियों की समस्याओं और सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को मंडल स्तर पर उठाने का अवसर मिलेगा।

सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, जिला व्यापार एवं उद्योग संच, शहडोल की अनुशंसा पर ए.के. मोहंती को स्थानीय चौंकर ऑफ कॉमर्स, ट्रेड एसोसिएशन एवं इंडस्ट्रीज श्रेणी के अंतर्गत सदस्य बनाया गया है। वहीं, रेल यात्री संच संधाग, शहडोल की अनुशंसा पर अजय कुमार शुक्ला को पंजीकृत यात्री संघों के प्रतिनिधि के रूप में समिति में स्थान दिया गया है। इसी क्रम में सांसद हिमाद्री सिंह की अनुशंसा पर संतोष लोहानी को लोकसभा सांसद के मनोनीत प्रतिनिधि के रूप में सदस्य नियुक्त किया गया है। समिति का उद्देश्य रेल यात्रियों की समस्याओं, यात्री सुविधाओं और उपभोक्ता हितों से जुड़े मुद्दों को रेलवे प्रशासन के समक्ष रखना तथा रेलवे सेवाओं में सुधार के लिए सुझाव देना है। शहडोल के तीनों प्रतिनिधियों के शामिल होने से क्षेत्र के रेल यात्रियों की समस्याओं और सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को मंडल स्तर पर उठाने का अवसर मिलेगा।

पुलिस राजस्व एवं खनिज विभाग की टीम द्वारा अवैध भंडारण पर कार्यवाही



शहडोल (स्वतंत्रमत)। थाना जैतपुर क्षेत्र के ग्राम खोडरी, गलहथा एवं कोलुहा में विगत काफी समय से अवैध रेत भंडारण की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय अग्रवाल द्वारा थाना प्रभारी जैतपुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। साथ ही खनिज एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर संयुक्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी जैतपुर मोहम्मद समीर, एसडीएम दीपक मांडवी, खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य एवं खनिज निरीक्षक अभिषेक पटेल सहित पुलिस, खनिज एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा ग्राम खोडरी, गलहथा एवं कोलुहा में अवैध रेत भंडारण के विरुद्ध कार्यवाही की गई है एवं बरामद की गई रेत को वहीं मिट्टी में मिलाकर खुद किया गया है।

जिले में 10.45 एकड़ पैतृक जमीन का विवाद गरमाया, पूर्व विधायक पर किसान के गंभीर आरोप; भूपेंद्र मरावी बोले—शिकायत राजनीति से प्रेरित...

डिंडौरी(स्वतंत्र मत)

जिले के मेहंदवानी विकासखंड के ग्राम मनेरी निवासी करीब 65 वर्षीय आदिवासी किसान डुमारी सिंह ने पूर्व विधायक भूपेंद्र मरावी और उनकी पत्नी संगीता मरावी पर पैतृक कृषि भूमि की कथित फर्जी रजिस्ट्री कराने, धोखाधड़ी करने और धमकाकर जमीन पर कब्जा करने के आरोप लगाए हैं। किसान ने कलेक्टर को शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच, एफआईआर दर्ज करने, परिवार को सुरक्षा देने और अपनी जमीन का कब्जा वापस दिलाने की मांग की है। वहीं, पूर्व विधायक ने आरोपों को खारिज करते हुए शिकायत को निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। शिकायत के अनुसार, डुमारी सिंह ने अपनी बीमारी के इलाज के लिए खसरा नंबर 160/1 की केवल दो एकड़ जमीन का सौदा 1.50 लाख रुपये में किया था। उनका आरोप है कि 3 मई 2019 को उनकी जानकारी और सहमति के बिना उनकी अन्य कृषि भूमि की भी दो ई-रजिस्ट्रियों पूर्व विधायक की पत्नी संगीता मरावी के नाम पर करा दी गईं। शिकायतकर्ता ने खसरा नंबर 160/1, 204 और 562 की कुल करीब 10.45 एकड़ भूमि की रजिस्ट्री किए जाने का दावा किया है। शिकायत में ई-रजिस्ट्री क्रमांक ख्ब्हा287820191300147 और ख्ब्हा287820191299969 का उल्लेख किया गया है। किसान के अनुसार, एक दस्तावेज में खसरा नंबर 562 की 0.20 हेक्टेयर भूमि और दूसरे में खसरा नंबर 160/1 एवं 204 की कुल 4.03 हेक्टेयर भूमि दर्ज है। उन्होंने दोनों दस्तावेजों में एक ही स्थल की तस्वीर होने का दावा करते हुए पंजीयन प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि खसरा नंबर 160/1 और 204 की भूमि का शासकीय मूल्यांकन 9,87,350 रुपये होने के बावजूद विक्रय मूल्य 1.50 लाख रुपये दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने इस अंतर और स्टाम्प शुल्क के निर्धारण की जांच कराने का आग्रह किया है। डुमारी सिंह का आरोप है कि संबंधित रजिस्ट्री के आधार पर नायब तहसीलदार मेहंदवानी के न्यायालय में प्रकरण क्रमांक 0081/-6/2019-20 के तहत 31 अगस्त 2019 को नामांतरण आदेश पारित किया गया। उनका कहना है कि उन्होंने पूरी जमीन बेचने की सहमति नहीं दी थी। उन्होंने संबंधित दस्तावेजों की जांच कर नामांतरण आदेश की वैधानिक समीक्षा करने की मांग की है। शिकायत में किसान ने यह भी आरोप लगाया है कि जब उन्होंने कथित तौर पर बेची गई दो एकड़ जमीन के अतिरिक्त शेष भूमि खाली करने को कहा, तो उनके साथ गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई।



आदर्श कालेज में सेवा संकल्प अभियान सम्पन्न

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक हुए विभिन्न सेवा कार्य

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में 17 सितम्बर से 17 अक्ूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य प्रो. डॉ. नियाज अहमद अन्सारी के मार्गदर्शन, सेवा संकल्प अभियान की प्रभारी प्राध्यापक श्रीमती निशी कर्ण और प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अरूणेंद्र बहादुर सिंह के कुशल निदेशन में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं, सेवा कार्यों एवं सरकारी योजनाओं के उचार-प्रसार का कार्य किया गया। इसमें सहप्रभारी के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के



कार्यक्रम अधिकारी रेमसिंह हटिला-डॉ. मोनिका पटेल एवं स्वामी विवेकानंद रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी सुश्री अपूर्वा दहावत के संयुक् त सहयोग उल्लेखनीय रहा। इसी तारतम्य में 3 अक्टूबर को योग एवं ज्ञान सत्र का आयोजन किया गया जिसमें योग क्रियाओ के महत्व एवं उसके आयामों को केंद्रित करते हुए डॉ. विजय डाबर और क्रीडाधिकारी महेन्द्र कनौजिया ने अनेक क्रियो के बारे में बताया।

मुख्यमंत्री के पिटारे में जिलेवासियों के लिए सिर्फ घोषणाएं : अनुराग सिंह

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला युवक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनुराग सिंह अम्बुज के नेतृत्व में शनिवार 17 अक्टूबर को नगर के स्वाद रेस्टोरेंट में दीपहरा1 बजे प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें अनुराग सिंह ने बताया कि 14 नवंबर को उमरिया जिले के मानपुर विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सभा आयोजित की गई। इसके पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की थी कि जिले में व्याप्त समस्याओं, विशेषकर युवाओं, किसानों, मजदूरों, ग्रामीणों, सड़क, बिजली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री से चर्चा कर उनका निराकरण कराया जाए। लेकिन पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सभी प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सुबह से ही हिरासत में ले लिया। यह विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास है, जो अन्यायपूर्ण एवं अनैतिक है।आज जिले के युवा बेरोजगार हैं रोजगार के अवसर नहीं हैं किसान मजदूर परेशान हैं फसलों का दाम बढ़ाने के नाम पर सरकार द्वारा



सिर्फ घोषणा है,शिक्षा,स्वास्थ्य, उमरिया शहडोल सड़क निर्माण गति विहीन है आदि समस्याओं को लेकर सरकार की अनदेखी जिलेवासियों में रोष व्याप्त करती है। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शकील खान ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि नवंबर 2024 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन्यजीवों के हमले में मृत व्यक्तियों के परिजनों को 25 लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक इस संबंध में कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

जिला अस्पताल की ओपीडी में डॉक्टरों का इंतजार करते रहे मरीज, शाम 5 :26 बजे तक नहीं पहुंचे चिकित्सक

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जानकारी के अनुसार, शाम 5 बजे ओपीडी खुलने का निर्धारित समय होने के बावजूद शाम 5:26 बजे तक संबंधित ओपीडी कक्ष में कोई डॉक्टर नहीं पहुंचा। इस दौरान मरीज हाथों में इलाज की पर्ची लेकर चिकित्सक के आने का इंतजार करते रहे। अस्पताल में उपचार की उम्मीद लेकर पहुंचे मरीजों को समय पर चिकित्सक उपलब्ध नहीं होने से परेशानी का सामना करना पड़ा। ओपीडी में एक भी डॉक्टर के मौजूद नहीं होने की स्थिति ने अस्पताल की कार्यप्रणाली और मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला चिकित्सालय जिले के दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए उपचार का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में ओपीडी के निर्धारित समय पर चिकित्सकों की अनुपस्थिति मरीजों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन सकती है। मरीजों को समय पर उपचार मिलना स्वास्थ्य व्यवस्था को धार्मिक जिम्मेदारी है, लेकिन जब मरीज पर्ची लेकर डॉक्टर का इंतजार करते रहें, तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अब सवाल यह है कि जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं में सुधार कब होगा? क्या ओपीडी के निर्धारित समय पर चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी और मरीजों को होने वाली परेशानी के लिए जिम्मेदारी तय होगी? संबंधित अधिकारियों को मामले का संज्ञान लेकर स्थिति की जांच करनी चाहिए, ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।



विधायक की पहल से संवरेगा रामभूषण कुंज आश्रम, बनेगा भृत्य चौपाल सह रंगमंच

उमरिया (स्वतंत्रमत)। नगर के विकटग्रंज मे रामभूषण कुंज आश्रम शाखा खजुरीताल में अब धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों को स्थायी मंच मिलेगा। उमरिया मे धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को नई पहचान देने की दिशा मेंखंजुरीताल की शाखा रामभूषण कुंज आश्रम में चौपाल सह रंगमंच का निर्माण कराया जाएगा जिसका शुक्रवार 16 अक्टूबर शारदीय नवरात्रि को छठवीं को कन्या पूजन के साथ बांधगढ़ विधायक शिव नारायण सिंह ने विधि विधान मंत्रोच्चर के साथ भूमि पूजन किया। विधायक की इस पहल से आश्रम में होने वाले धार्मिक आयोजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को स्थायी मंच मिलने की उम्मीद है। हम आपको बता दे आश्रम में रामकथा, श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के साथ साथ धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन होता रहता है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचते हैं। आश्रम में वर्षों से भागवत कथा, रामलीला, मानस मंडली, महिला मंडल के कार्यक्रम और गणेश उत्सव सहित अनेक धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन होते रहे हैं। लेकिन बारिश के मौसम में खुले पंडाल में कार्यक्रम आयोजित करना आयोजकों और श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बनता रहा है।बताया गया कि पूर्व में विधायक ने आश्रम में कथा आयोजन के दौरान बारिश के कारण पानी टपकने और



श्रद्धालुओं को परेशानी होने की स्थिति देखी थी। इसके बाद यहां स्थायी रंगमंच बनाने की पहल की गई, ताकि धार्मिक आयोजनों के लिए बार-बार पंडाल तैयार करने की आवश्यकता कम हो और लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। आश्रम के महंत श्री श्री 108 श्री गुरु प्रशन्नदास जी महाराज के अनुसार, रंगमंच तैयार होने के बाद यहां धार्मिक प्रवचन, श्रीमद्भागवत कथा, रामलीला, मानस मंडली और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा।यह पहल केवल एक मंच का निर्माण नहीं, बल्कि क्षेत्र की धार्मिक विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का प्रयास है। अब श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि यह रंगमंच भविष्य में आश्रम के विभिन्न आयोजनों के लिए एक स्थायी और उपयोगी केंद्र बनेगा।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास में योग की भूमिका

शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की मानसिक, बौद्धिक और भावनात्मक क्षमताओं का विकास करना भी है। प्रत्येक बच्चे में कुछ विशेष प्रतिभाएँ होती हैं, जिन्हें सही मार्गदर्शन और अभ्यास से निखारा जा सकता है। योग ऐसी ही एक प्रभावी विधा है, जो बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से शांत और आत्मविश्वासी बनाने में सहायता करती है।

मानसिक एकाग्रता और स्मरण शक्ति का विकास

आज विद्यार्थियों के सामने पढ़ाई का दबाव, परीक्षा की चिंता और ध्यान भटकने जैसी अनेक समस्याएँ हैं। योग और प्राणायाम के नियमित अभ्यास से मन को शांत करने तथा एकाग्रता बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। इससे विद्यार्थी पढ़ाई पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और सीखी हुई बातों को समझने में अधिक



सहजता अनुभव करते हैं। ध्यान का अभ्यास उनकी स्मरण शक्ति और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने में भी सहायक हो सकता है।

अनुशासन और व्यवहार में सुधार

बचपन और किशोरावस्था व्यक्तित्व निर्माण की महत्वपूर्ण अवस्थाएँ हैं। इस

दौरान बच्चों के शारीरिक और भावनात्मक व्यवहार में अनेक बदलाव आते हैं। ऐसे समय में योग उन्हें अपनी भावनाओं को समझने, क्रोध पर नियंत्रण रखने और धैर्यपूर्वक व्यवहार करने की सीख देता है। नियमित अभ्यास से उनमें अनुशासन, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच विकसित हो सकती है।

शिक्षा में योग का समावेश

विद्यालयों में पढ़ाई के साथ योग को भी उचित स्थान दिया जाना चाहिए। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन और सरल प्राणायाम जैसे अभ्यास विद्यार्थियों की दिनचर्या का हिस्सा बनाए जा सकते हैं। योगाभ्यास प्रशिक्षित शिक्षक की देखरेख में और बच्चों की आयु तथा शारीरिक क्षमता के अनुसार कराया जाना चाहिए। इससे पढ़ाई के तनाव को कम करने और विद्यालय के वातावरण को अधिक सकारात्मक बनाने में मदद मिल सकती है।

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वयं को समझने और अपनी क्षमताओं को पहचानने का माध्यम भी है। यह बच्चों में सहयोग, सहनशीलता और आत्मविश्वास जैसे गुण विकसित करने में सहायक होता है। बच्चों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है, जब शिक्षा में ज्ञान के साथ स्वास्थ्य, संस्कार और मानसिक

संतुलन को भी महत्व दिया जाए। योग इस दिशा में एक उपयोगी साधन है। यदि परिवार और विद्यालय मिलकर बच्चों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करें, तो वे स्वस्थ, अनुशासित, संवेदनशील और आत्मविश्वासी नागरिक बन सकते हैं। योग को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने की दिशा में प्रयास करना आवश्यक है।



संगीता यादव

टीचर
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, डुमना रोड, जबलपुर।



- एलआईसी हाइसिंग फाइनेंस, मैनेजमेंट ट्रेनी**
- अंतिम तिथि - 25 अक्टूबर 2026
- पद - मैनेजमेंट ट्रेनी, मार्केटिंग एवं सेल्स।
- कुल रिक्तियाँ - 50।
- शैक्षणिक योग्यता - एमबीए अनिवार्य।
- प्रशिक्षण अवधि - एक वर्ष।
- प्रशिक्षण के दौरान राशि 40,000 से 50,000 प्रतिमाह बताई गई है।
- प्रशिक्षण के बाद - निर्धारित शतें पूरी होने पर कंपनी में नियुक्ति; सूची में रू 14 लाख या अधिक वार्षिक सीटीसी का उल्लेख है।

- सीडैक, तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पद**
- अंतिम तिथि - 26 अक्टूबर 2026
- संस्था - सेंट्रल फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्यूनिटी।

- पदों का प्रकार - परियोजना प्रबंधक, परियोजना अभियंता, वरिष्ठ परियोजना अभियंता, परियोजना सहयोगी तथा अन्य तकनीकी/सहायक पदों के विज्ञापन अलग-अलग कटों के लिए प्रकाशित होते हैं।

- योग्यता - पद के अनुसार इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, संबंधित स्नातकोत्तर योग्यता के साथ आवश्यक प्रमाणपत्र की आवश्यकता हो सकती है।

- चयन - विज्ञापन के अनुसार लिखित परीक्षा, साक्षात्कार या अन्य चयन प्रक्रिया।

- नाबाई, आईटी विशेषज्ञ भर्ती**
- अंतिम तिथि - 26 अक्टूबर 2026
- संस्था - राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई)।

- विज्ञापन - विशेषज्ञों की संविदा भर्ती, 2026, 27; विज्ञापन संख्या 04।

- कुल पद - 16।
- कार्यस्थल - नाबाई मुख्यालय, मुंबई।
- पात्रता - पद के अनुसार बीई/बीटेक, एमसीए या संबंधित स्नातकोत्तर योग्यता के साथ आवश्यक प्रमाणपत्र और अनुभव।

- आयु सीमा - पद के अनुसार 24 से 45 वर्ष बताई गई है।

- नेवल डॉकयार्ड, मुंबई, अप्रेंटिस**
- अंतिम तिथि - 27 अक्टूबर 2026
- संस्था - भारतीय नौसेना का डॉकयार्ड अप्रेंटिस स्कूल, मुंबई।

- कार्य का प्रकार - विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षुता।
- संभावित ट्रेड - फिटर, वेल्डर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन और अन्य ट्रेड विज्ञापन के अनुसार हो सकते हैं।

- योग्यता - संबंधित ट्रेड में आईटीआई या विज्ञापन में निर्धारित शैक्षणिक योग्यता।

- चयन - आम तौर पर शैक्षणिक/आईटीआई अंकों, दस्तावेज सत्यापन और निर्धारित अन्य चरणों के आधार पर।

- एडसिल, कंसल्टेंट पद**
- अंतिम तिथि - 27 अक्टूबर 2026
- संस्था - एडसिल इंडिया, शिक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम।

- कुल पद - 18।
- नियुक्ति - भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से संबंधित कार्यों के लिए एक वर्ष की संविदा।

- पदों के उदाहरण - क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, एयरपोर्ट सिस्टम्स, पक्षी एवं वन्यजीव प्रबंधन, हॉर्टिकल्चर, विधि, कंटेनर राइटर, ग्राफिक डिजाइनर, वीडियो एडिटर तथा तकनीकी पद।

- योग्यता - पद के अनुसार स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री और संबंधित अनुभव।

- आयु सीमा - पद के अनुसार अलग-अलग; भर्ती विवरण में लापगा 30 से 45 वर्ष की सीमाएँ दी गई हैं।

- सुप्रीम कोर्ट, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट**
- अंतिम तिथि - 28 अक्टूबर 2026, ?
- संस्था - भारत का सर्वोच्च न्यायालय।

- पद - जूनियर कोर्ट असिस्टेंट।

- योग्यता - आयु सीमा, रिक्तियों की संख्या और वेतनरू विस्तृत विज्ञापन में निर्धारित शर्तों के अनुसार।

- चयन प्रक्रिया - आधिकारिक विज्ञापन में दिए गए लिखित/कौशल परीक्षण और अन्य चरण लागू होंगे।

- मुंबई पोर्ट अथॉरिटी, क्लास-ए एवं क्लास-बी पद**
- अंतिम तिथि - 28 अक्टूबर 2026
- संस्था - मुंबई पोर्ट अथॉरिटी, पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय।

- योग्यता - पद के अनुसार इंजीनियरिंग, तकनीकी डिग्री, डिप्लोमा या अन्य निर्धारित योग्यता हो सकती है।
- चयन - संबंधित पद के विज्ञापन और चयन नियमों के अनुसार।

- एलआईसीएल, प्रशासनिक अधिकारी**
- अंतिम तिथि - 28 अक्टूबर 2026

- संस्था का संभावित नाम- नेपलर इन्फ़ोरेंस कंपनी लिमिटेड।

- पद - प्रशासनिक अधिकारी।

डिजिटल पोर्टफोलियो, अपने हुनर को दें नई पहचान

आज के डिजिटल युग में केवल डिग्री या प्रमाणपत्र होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपने कौशल और अनुभव को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना भी जरूरी है। नौकरी हो, फ्रीलांसिंग हो या कोई नया अवसर, लोग यह जानना चाहते हैं कि आप वास्तव में क्या कर सकते हैं। ऐसे में डिजिटल पोर्टफोलियो आपकी प्रतिभा को सामने लाने का सशक्त माध्यम बनता है। यह आपके बेहतरीन कार्यों, उपलब्धियों और योग्यताओं का ऑनलाइन संग्रह होता है, जिसे कहीं से भी देखा जा सकता है। विद्यार्थी, नौकरी की तैयारी करने वाले युवा, लेखक, पत्रकार, डिजाइनर और अन्य पेशेवर इसका उपयोग अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कर सकते हैं।

डिजिटल पोर्टफोलियो में क्या शामिल करें?

- परिचय और व्यक्तिगत जानकारी**- सबसे पहले अपना नाम, कार्यक्षेत्र और संक्षिप्त परिचय लिखें। इसमें अपनी रुचियों, प्रमुख योग्यताओं और करियर के लक्ष्य का उल्लेख करें, ताकि देखने वाले को आपके बारे में स्पष्ट जानकारी मिल सके।

- अपने बेहतरीन काम प्रदर्शित करें**- अपने अच्छे लेख, डिजाइन, वीडियो, परियोजनाएँ या अन्य कार्यों के नमूने शामिल करें। विद्यार्थी अपनी बनाई परियोजनाएँ और प्रमाणित उपलब्धियाँ भी जोड़ सकते हैं। इससे आपकी व्यावहारिक क्षमता का पता चलता है।

- कौशल और योग्यताएँ**- अपनी तकनीकी तथा व्यावहारिक योग्यताओं की सूची बनाएँ। कंप्यूटर ज्ञान, लेखन, संचार, संपादन और अन्य संबंधित कौशल का उल्लेख करें। प्रशिक्षण प्रमाणपत्र और पुरस्कार भी शामिल किए जा सकते हैं।

- संपर्क का विवरण** ईमेल, व्यावसायिक सोशल मीडिया प्रोफाइल और अन्य जरूरी संपर्क विवरण दें, ताकि संभावित नियोका या ग्राहक आपसे आसानी से जुड़ सकें।

कैसे बनाएँ डिजिटल पोर्टफोलियो?

शुरुआत करने के लिए ब्लॉग, ड्रववहसमें पजमे या ड्रववहसम रूपम जैसे साधनों का उपयोग किया जा सकता है। अपने कार्यों को विषय के अनुसार व्यवस्थित रखें और अनावश्यक सामग्री से बचें। पोर्टफोलियो का डिजाइन सरल, आकर्षक और पढ़ने में आसान होना चाहिए। समय-समय पर नए कार्यों और उपलब्धियों को जोड़ते रहें।



12वीं के बाद डिग्री या डिप्लोमा?

12वीं की परीक्षा पास करने के बाद विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि आगे डिग्री करें या डिप्लोमा। दोनों ही विकल्प करियर बनाने के लिए उपयोगी हैं, लेकिन इनकी अवधि, पढ़ाई का खर्च, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर अलग-अलग होते हैं।

इसलिए निर्णय लेते समय अपनी रुचि, आर्थिक स्थिति और भविष्य के लक्ष्य को ध्यान में रखना चाहिए।

डिग्री - व्यापक ज्ञान और आगे की पढ़ाई का अवसर- डिग्री पाठ्यक्रम सामान्यतः तीन से चार वर्ष या उससे अधिक अवधि के होते हैं। बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए और बीटेक इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनमें विषय का सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक समझ विकसित की जाती है। डिग्री के बाद विद्यार्थी उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और विभिन्न नौकरियों के लिए आगे बढ़ सकते हैं। हालाँकि, पाठ्यक्रम की अवधि और शुल्क संस्थान तथा विषय के अनुसार अलग-अलग होते हैं।

डिप्लोमा - कम समय में व्यावहारिक कौशल- डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रायः एक से तीन वर्ष के होते हैं। कंप्यूटर, ग्राफिक डिजाइनिंग, फैशन डिजाइनिंग, होटल प्रबंधन और तकनीकी क्षेत्रों में ऐसे पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इनमें व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। कुछ पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी अपेक्षाकृत कम समय में रोजगार या स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। फिर भी नौकरी की उपलब्धता कौशल, अनुभव और बाजार की मांग पर निर्भर करती है।

चुनाव करते समय इन बातों पर दें ध्यान

- अवधि** - जल्दी काम शुरू करना चाहते हैं तो उपयुक्त डिप्लोमा पर विचार करें।

- खर्च** - फीस के साथ किताबें, आवास और अन्य खर्चों का आकलन करें।

- कौशल** - अपनी रुचि और व्यावहारिक क्षमता के अनुसार पाठ्यक्रम चुनें।

- रोजगार** - पाठ्यक्रम की मान्यता, प्रशिक्षण और नौकरी की संभावनाएँ जाँचें।

- भविष्य** - आगे पढ़ाई या प्रतियोगी परीक्षा देने की योजना है तो उसकी पात्रता जरूर देखें।

सही निर्णय ही सफलता की नींव

डिग्री और डिप्लोमा में कोई एक विकल्प सभी विद्यार्थियों के लिए बेहतर नहीं है। सही चुनाव वही है जो आपकी रुचि, क्षमता, बजट और करियर लक्ष्य के अनुरूप हो। प्रवेश लेने से पहले संस्थान की मान्यता और पाठ्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच अवश्य करें।

लक्ष्य तन सेवा, तैयारी दमदार, जानें सफलता के मंत्र

भारतीय वन सेवा देश की प्रतिष्ठित अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है। इसका उद्देश्य वनों, वन्यजीवों और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा वैज्ञानिक प्रबंधन करना है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) इस सेवा के लिए चयन परीक्षा आयोजित करता है। इसमें सफ लता पाने के लिए सही रणनीति, नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और पर्यावरण से जुड़े विषयों की समझ आवश्यक है।

परीक्षा के तीन प्रमुख चरण

प्रारंभिक परीक्षा- यह सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के माध्यम से आयोजित होती है। इसमें सामान्य अध्ययन और सिविल सेवा अभिक्षमता परीक्षण (सीसेट) के दो वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र होते हैं। प्रारंभिक परीक्षा केवल छैटनी के लिए होती है। इसके अंक अंतिम मेरिट में नहीं जुड़ते, लेकिन मुख्य परीक्षा में शामिल होने के लिए इसे उत्तीर्ण करना जरूरी है।

असफलता को सफलता में कैसे बदलें? गलतियों का विश्लेषण करें- इंटरव्यू के बाद याद करें कि किन सवालों के जवाब देने में कठिनाई हुई। देखें कि कमी विषय के ज्ञान, संवाद कौशल या आत्मविश्वास में थी। अपनी कमजोरियों को पहचानकर सुधार की योजना बनाएँ।

फीडबैक लेने में संकोच न करें- यदि संभव हो, तो कंपनी या भर्ती अधिकारी से विनम्रता से प्रतिक्रिया माँगें। इससे आपको



मुख्य परीक्षा- इसमें वर्णनात्मक प्रश्नपत्र होते हैं। इनमें सामान्य अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान और उम्मीदवार द्वारा चुने गए दो वैकल्पिक विषयों के प्रश्नपत्र शामिल हैं। वैकल्पिक विषय का चुनाव अपनी शैक्षणिक पृष्ठभूमि, रुचि और पाठ्यक्रम के अनुसार करना चाहिए।

व्यक्तित्व परीक्षण- मुख्य परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। इसमें विषय का ज्ञान, निर्णय लेने की क्षमता, तार्किक सोच, पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण और व्यक्तित्व

का आकलन किया जाता है।

नोट्स कैसे बनाएँ?- नोट्स अपनी भाषा में छोटे, स्पष्ट और विषयवार बनाएँ। महत्वपूर्ण तथ्यों, परिभाषाओं और उदाहरणों को

बिंदुओं में लिखें। पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी जैसे विषयों के लिए तालिकाओं, चित्रों और प्रवाह-चित्रों का उपयोग करें। समसामयिक घटनाओं के नोट्स में घटना, उसका कारण, प्रभाव और संभावित समाधान शामिल करें। नियमित रूप से नोट्स दोहराएँ और अभ्यास परीक्षाओं में हुई गलतियों की अलग सूची बनाएँ।

सफलता का मंत्र- भारतीय वन सेवा की तैयारी में निरंतरता, सही दिशा और नियमित पुनरावृत्ति सबसे महत्वपूर्ण हैं। आधिकारिक पाठ्यक्रम के अनुसार तैयारी करें, व्यक्तित्व विकास पर ध्यान दें, अपनी प्रगति का समय-समय पर मूल्यांकन करते रहें।

सफलता के लिए विशेष सुझाव

एक ही विषय के लिए बहुत सारी पुस्तकें इकट्ठी करने के बजाय सीमित और विश्वसनीय अध्ययन सामग्री चुनें। कठिन विषयों को छोटे भागों में बाँटकर पढ़ें और कमजोर विषयों को अतिरिक्त समय दें। परीक्षा के नजदीक नई सामग्री शुरू करने के बजाय पुराने नोट्स, महत्वपूर्ण तथ्यों और अभ्यास प्रश्नों की पुनरावृत्ति पर ध्यान केंद्रित करें। याद रखें, अच्छे नोट्स वही हैं, जिन्हें कम समय में दोहराया जा सके। नियमित अध्ययन, सटीक नोट्स, समयबद्ध अभ्यास और आत्ममूल्यांकन भारतीय वन सेवा की तैयारी को अधिक प्रभावी बना सकते हैं।

वॉयस ओवर आर्टिस्ट: आवाज से करियर की नई उड़ान



आज के डिजिटल दौर में आवाज भी करियर बनाने का एक प्रभावशाली माध्यम बन गई है। फिल्मों में पात्रों को आवाज देना हो, विज्ञापनों को आकर्षक बनाना हो या ऑडियोबुक के माध्यम से कहानियाँ सुनानी हों, हर जगह वॉयस ओवर आर्टिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण है। खास बात यह है कि इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के लिए कैमरे के सामने आना जरूरी नहीं है। आपकी आवाज, बोलने का अंदाज और शब्दों में भाव भरने की कला ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने इस क्षेत्र में नए अवसर खोले हैं। विद्यार्थी, गृहिणियाँ और अपनी भाषा पर अच्छी पकड़ रखने वाले युवा भी इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इसके लिए सही उच्चारण, आवाज में उतार-चढ़ाव, नियमित अभ्यास और तकनीकी जानकारी जरूरी है। यदि आपकी आवाज प्रभावशाली है, तो यह हुनर आपके लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का नया रास्ता खोल सकता है।

अपनी कला और कौशल विकसित करें

- भाषा और उच्चारण पर पकड़ जिस भाषा में काम करना चाहते हैं, उसके शब्दों का सही उच्चारण करना सीखें। हिंदी, अंग्रेजी या क्षेत्रीय भाषा में अच्छी पकड़ आपके लिए उपयोगी होगी।

- आवाज का उतार-चढ़ाव आवाज की गति, तीव्रता, लहजे और भावों को नियंत्रित करने का अभ्यास करें।

- काम का क्षेत्र चुनें विज्ञापन, वृत्तचित्र, ई-लर्निंग वीडियो, ऑडियोबुक, फोन की स्वचालित संदेश सेवा या फिल्मों की डबिंग जैसे क्षेत्रों में अपनी रुचि पहचानें।

- रोजाना पढ़ने का अभ्यासरू अखबार, किताबें और अलग-अलग विषयों की स्क्रिप्ट जोर से पढ़ें। अपनी आवाज रिकॉर्ड करके सुनें और गलतियों को सुधारें।

जरूरी उपकरण और होम स्टूडियो

माइक्रोफोन - शुरुआत के लिए एक अच्छा यूएसबी माइक्रोफोन उपयोगी हो सकता है।

ऑडियो एडिटिंग - रिकॉर्डिंग को साफ करने और अनावश्यक शोर हटाने के लिए ऑडोसिटी जैसे नि:शुल्क सॉफ्टवेयर का उपयोग सीखें।

शरत जगह - घर में ऐसा कमरा चुनें, जहाँ बाहरी आवाजें कम आती हों। पर्दे, कालीन और अन्य नरम वस्तुएँ कमरे की गूँज कम करने में मदद कर सकती हैं।

अपना डेमो तैयार करें

- डेमो आपकी आवाज और कौशल का नमूना होता है, जिसे काम देने वाली एजेंसियों या ग्राहकों को भेजा जाता है।

- इसमें विज्ञापन, कहानी, समाचार और डबिंग जैसी अलग-अलग शैलियों के छोटे नमूने शामिल करें।

- लगभग 60 से 90 सेकंड की स्पष्ट और प्रभावशाली डेमो रील तैयार करें। शुरुआत में मोबाइल भी अभ्यास रिकॉर्डिंग की जा सकती है।

काम की तलाश और प्रचार

- फ्रीलांस प्लेटफॉर्म, फीवर वॉइस कॉम और वॉइस 123 जैसे मंचों पर अपनी प्रोफाइल बनाकर काम तलाशें।
- स्थानीय एजेंसियाँ अपने शहर के रेडियो स्टेशनों, विज्ञापन एजेंसियों, डबिंग स्टूडियो और वीडियो निर्माण कंपनियों से संपर्क करें।

- सोशल मीडिया इंस्टाग्राम, यूट्यूब और लिंकडइन पर अपनी आवाज के नमूने साझा करें, ताकि संभावित ग्राहक आपके काम को पहचान सकें।

कमाई और करियर की संभावनाएँ

कमाई अनुभव, भाषा, काम की अवधि और परियोजना के बजट पर निर्भर करती है। शुरुआत में छोटे प्रोजेक्ट मिल सकते हैं। अनुभव और अच्छी पहचान बनने पर विज्ञापन, ऑडियोबुक, डबिंग और अन्य क्षेत्रों में बड़े अवसर मिल सकते हैं।

नोट्स कैसे बनाएँ?

परीक्षा में किन बातों का ध्यान रखें ?

- प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़ें, प्रश्न में दिए गए निर्देश और विकल्प समझने के बाद ही उत्तर चुनें।
- समय प्रबंधन करें, प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए समय निर्धारित करें। किसी एक कठिन प्रश्न पर अधिक समय न गँवाएँ।
- प्रारंभिक परीक्षा में गलत उत्तरों पर निर्धारित नियमों के अनुसार अंक कट सकते हैं। इसलिए अनुमान लगाकर उत्तर देने से पहले टेस्ट करें।
- नियमित मॉक सेट दें, वास्तविक परीक्षा जैसी परिस्थितियों में अभ्यास करें। इससे गति, सटीकता और आत्मविश्वास बढ़ता है।
- गलतियों का विश्लेषण करें, हर अभ्यास परीक्षा के बाद देखें कि गलती जानकारी की कमी, जल्दबाजी या प्रश्न समझने में हुई।
- मुख्य परीक्षा में उत्तर लेखन का अभ्यास करें, उत्तर को भूमिका, मुख्य भाग और निष्कर्ष में व्यवस्थित करें। जहाँ उपयुक्त हो, उदाहरण और तथ्य शामिल करें।
- स्वास्थ्य का ध्यान रखें, पर्याप्त नींद लें, संतुलित भोजन करें और पढ़ाई के बीच छोटे विश्राम लें।

शब्द पहेली - 9008									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

शब्द पहेली - 9008

बाएँ से दाएँ

ऊपर से नीचे

1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31	32	33	34	35
36	37	38	39	40	41	42

1. देशभक्त, भाग्यवान 2
3. सुंदर, युवावस्था-3
6. सहाय, गुरु-7
8. रचना करना 3
10. वध कर-8-3
12. निर्माण 3
14. रुई का पीथा 3
17. आभूषण-3
19. अविनाश देना 3
21. कल, शला-2
23. नीचताओं-3
25. गाने का संग, बैली 2
26. मुलायम-3
28. एक गहरा व अलग जान-3
30. तुल्य, दूसरे के बाद 3
32. सहायिता, अनुवा-3
35. गौर, इत्येक 3
37. कथा, गाथा-3
39. वप, गट्टे-3
40. राहु का एक पुत्र 3
41. एक निर्देशी शब्द

1. निकट हो बतों है 2
2. बरतों का राग्य 3
4. रुद्र, सहाय-7
5. स्वर्ण का विलास-3
7. पमस्य, गुरु देवता-7
9. गुण करना-3
11. आभूषण-3
13. अविनाश-3
15. सहन, आसान-3
16. श्रावण, आशु के बाद का महीना-3
18. आराम, मदद, चैन-3
20. मुखिया, सहाय 3
22. भूमि, वसुंधरा 3
24. रुद्र, खफा होना 3
27. मनसब 3
29. योग्य, कविल, गुणवान 3
31. दही का एक योग्य पर्याय 3

33. एक ज्ञानी को प्रायः ज्ञानी होने, पानी भरणे आदि के काल कलाएँ हैं-3
34. सहा, गार्ह-7
36. एक अंग्रेजी शराब-7
38. एक औषधीय पौध पेटू-7

शब्द पहेली - 9007 का हल

क	ख	ग	घ	ङ	च	ट
ख	ड	ध	ढ	ण	त	थ
त	द	क	ख	ग	घ	ङ
ग	च	ट	ड	ध	ढ	ण
च	ख	ग	घ	ङ	च	ट
ङ	क	ख	ग	घ	ङ	च
क	ख	ग	घ	ङ	च	ट

31 Jyotidaur.com, Bangalore

अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने किया ग्रामीण विकास कार्यों का निरीक्षण

सिंगरी नदी पुनर्जीवन कार्य की सराहना : पंचायतों को राजस्व वसूली और ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था प्रभावी बनाने के निर्देश

नरसिंहपुर,

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी सहित राज्य स्तरीय वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को नरसिंहपुर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर ग्रामीण विकास योजनाओं, निर्माण कार्यों एवं पंचायतों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम पंचायतों में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण भ्रमण में संचालक पंचायत राज श्री छोटे सिंह, सीईओ राज्य आजीविका मिशन श्री विनय निगम, डायरेक्टर जल निगम एवं स्वच्छ भारत मिशन श्री केवीएस चौधरी तथा सीईओ वीबी जी राम जी श्री मयंक अग्रवाल,कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश,एडिशनल सीईओ श्री उदय प्रताप सिंह शामिल रहे।

ढेलवार में पंचायत कार्यों, मध्यान्ह भोजन एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण-अधिकारियों



ने ग्राम पंचायत ढेलवार में पंचायत के कार्यों, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था तथा विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनकी गतिविधियों एवं आजीविका संबंधी कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई।

सिंगरी नदी पुनर्जीवन कार्य की सराहना-ग्राम पंचायत मगरधा में सिंगरी नदी के पुनर्जीवन के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने नदी पुनर्जीवन के कार्यों की सराहना की। इसके साथ ही नर्मदा

तट पर स्थित आश्रय स्थल, पौधरोपण, गौशाला तथा ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत संचालित कार्यों का भी जायजा लिया गया।

पंचायतों को राजस्व वसूली एवं ठोस कचरा प्रबंधन के निर्देश-निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सभी ग्राम पंचायतों में जलकर, स्वच्छता कर एवं संपत्ति कर की वसूली सुनिश्चित करने तथा पोर्टल के माध्यम से राशि प्राप्त करने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। निर्देशों के अनुसार, निर्धारित

प्रक्रिया का पालन नहीं करने वाली ग्राम पंचायतों को 16वें वित्त आयोग से मिलने वाली राशि का केवल 80 प्रतिशत ही प्राप्त होने की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने सभी ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा नल-जल योजनाओं के सभी कनेक्शन घरों के अंदर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत सचिवों को अपनी पंचायत के सभी परिवारों को संबंधित पोर्टल पर ऑनबोर्ड करने के लिए भी कहा गया, जिससे

शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र परिवारों तक सुगमता से पहुंच सके।

ईश्वरपुर में सीसी रोड का निरीक्षण-भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्राम ईश्वरपुर में निर्मित सीसी रोड का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा विकास योजनाओं का निर्धारित मापदंडों के अनुरूप क्रियान्वयन करने पर जोर दिया।

चांवरपाठा में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक-संचालक पंचायत राज श्री छोटे सिंह ने जनपद पंचायत चांवरपाठा में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने तथा विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसमस्याओं के निराकरण को प्राथमिकता देने के लिए निर्देशित किया।



सतना में रामनवमी की धुन और दुर्गा माता की पूजा का चल रहा है जोर-शोर से कार्यक्रम

सतना स्वतंत्रमत।

शहर में रामनवमी और दुर्गा पूजा महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। रामनवमी की भजन धुन और दुर्गा माता के पंडालों में पूजा-अर्चना जोर-शोर से चल रही है। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी हैं।

डॉडिया और भजन.कीर्तन की धूम-शहर के प्रमुख दुर्गा पंडालों में शाम होते ही डॉडिया और गरबा की धूम मच रही है। महिलाएं युवतियां पारंपरिक वेशभूषा में डॉडिया खेल रही हैं। ढोल-नगाड़ों भजन.कीर्तन और जय माता दी के जयकारों से पूरा शहर भक्तिमय हो गया है। रामनवमी के अवसर पर राम मंदिरों में राम धुन और सुंदरकांड पाठ का आयोजन हो रहा है।

दुर्गा माता की विशेष पूजा और श्रृंगार-नवरात्रि के चलते दुर्गा माता के पंडालों में विशेष श्रृंगार किया गया है। सुबह और शाम विशेष आरती हो रही है। पंडालों में माता की भव्य झांकियां सजाई गई हैं। भक्त फूल नारियल और चुनरी चढ़ाकर मनोकामना मांग रहे हैं।



विशाल भंडारे का आयोजन-शहर के कई स्थानों पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। मैहर रोड बिरला रोड सेमरिया चौक और कोलगवां स्थित पंडालों में प्रतिदिन शाम 7 बजे महाआरती के बाद निःशुल्क भंडारा प्रसाद वितरित किया जा रहा है। हजारों भक्त प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।

पुलिस का पुख्ता इंतजाम -आयोजकों ने बताया कि सुरक्षा और स्वच्छता के विशेष प्रबंध किए गए हैं।



गाडरवारा के केएनव्ही स्कूल में अतिरिक्त कॉमर्स (वाणिज्य संकाय) संचालित किए जाने स्वीकृति

करेली/गाडरवारा। शिक्षा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश में निरंतर ठोस एवं सजग कदम उठाए जा रहे हैं और प्रदेश में स्कूलों के शैक्षिक स्तर के उन्नयन हेतु हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। जिसके अंतर्गत मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की विशेष पहल पर गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गाडरवारा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केएनव्ही में कॉमर्स (वाणिज्य संकाय) संचालित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। शैक्षणिक क्षेत्र 2026-27 से उक्त विद्यालय में अतिरिक्त वाणिज्य संचालित संचालित किए जाने लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश द्वारा स्वीकृत प्रदान की गई है। नवीन विषय के प्रारंभ किए जाने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को विशेष लाभ प्राप्त होगा।

संतकुंज आश्रम में कल्पवृक्ष का हुआ रोपण

सतना स्वतंत्रमत। परिवर्तन विचार मंच के अरुण भारतीय के दिशा निर्देशन में पवित्र नवरात्रि के पावन अवसर पर वृक्षरोपण की शुरुआत संत कुंज आश्रम में पुजारी द्वारा वृक्षों की पूजा गड्डा करने की मशीन का विधिवत वैदिक विधि विधान से पूजन किया गया । आलोक सिंह परिहार के सतत प्रयास से आश्रम की भूमि पर मशीन द्वारा प्रथम वृक्षरोपण का शुभारंभ महाराज के कर कमलो से कल्पवृक्ष का रोपण किया गया द्वितीय चरण में तमस नदी के किनारे स्थित ग्राम पंचायत कैथा में अशोक प्रताप सिंह के प्रयास से वृक्षरोपण शुभारंभ ग्राम सरपंच ग्राम वासियों का भरपूर सहयोग मिलने की पूर्ण आशा के साथ पुनरुत्थान एवं जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत धरातल पर ग्राम पंचायत सहजाना उबारी कैथा औषधि एवं फ़स्तर वृक्षों का रोपण हुआ।

गाडरवारा में 23 अक्टूबर से आयोजित होगी 70वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता



तैयारियों हेतु बैठक आयोजित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। सत्र 2026-27 के खेल कैलेंडर के तहत गाडरवारा (जिला नरसिंहपुर) में 70वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 19 वर्ष बालक वर्ग के लिए ये प्रतियोगिता 23 से 28 अक्टूबर तक आयोजित होगी। इसमें 10 संभागों के लगभग 160 खिलाड़ी एवं 30 ऑफिशियल्स भाग लेंगे। प्रतियोगिता के मैच रूद्र मैदान गाडरवारा, एनटीपीसी खेल मैदान, चीचली में खेल मैदान एवं शासकीय राघव कृषि उ मा विद्यालय बोहानी के खेल मैदानों पर खेले जायेंगे। गत दिवस प्रतियोगिता के सफल संचालन, मैदान निर्माण, सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, आवास, भोजन (मेस),

साईंखेड़ा, चीचली, चांवरपाठा, समस्त विभागों के अधिकारी तथा क्षेत्रीय शासकीय और अशासकीय स्कूलों के प्राचार्यगण उपस्थित रहे । शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित

प्रतियोगिता के सफल आयोजन एवं सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर डॉ अनिल कुशवाहा द्वारा शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गाडरवारा में एक विशेष कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। 2कंट्रोल रूम का 2नोडल अधिकारी एस. के. मिश्रा प्राचार्य एवं 2सहायक नोडल अधिकारी व्याख्याता आर. पी. महिलांग को बनाया गया है। कंट्रोल रूम 15 अक्टूबर 2026 से निरंतर 24 घंटे (तीन पारियों में) कार्य करेंगे। इसमें अधिकारियों व कर्मचारियों की पालियों में ड्यूटी लगाई गई है। 2ग्रथम पाली (सुबह 08:00 से शाम 04:00 बजे) में शिक्षक राहुल कौरी, सचिन लहरिया, नारायण पटेल एवं मनोज वर्मा, 2द्वितीय पाली (शाम 04:00 से रात 12:00 बजे) में दीपक तिवारी एवं शिवम साहू एवं 2तृतीय पाली (रात 12:00 से सुबह 08:00 बजे) में देवेंद्र कोरव, देवेंद्र ठाकुर एवं प्रदीप श्रीवास की ड्यूटी लगाई गई है

बैठक में एसडीएम प्रगति वर्मा ने कहा कि आयोजन की बेहतर तैयारियां हो एवं सभी विभाग आपसी समन्वय से अच्छा कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाएं। बैठक में बीईओ, बीआरसी, सीएमओ गाडरवारा, चीचली, सालीचौका सीईओ जनपद पंचायत



नगर निगम आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी.गौड़ा ने शहर के विकास को दी नई गति

ईमानदारी से कर रहे हैं भ्रमण

सतना स्वतंत्रमत। नगर निगम सतना के आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा द्वारा शहर का लगातार भ्रमण कर विकास कार्यों का जायजा लिया जा रहा है। उनके द्वारा कार्यभार संभालने के बाद से ही शहर में विकास की गति तेज हो गई है।वताया जा रहा है कि डॉ.नागार्जुन बी गौड़ा जिस तरह से काम करना शुरू किए हैं वैसे अभी तक कोई कमिशनर नहीं आया जिसने इतनी ईमानदारी से अपना काम किया हो। उनके काम को देखते हुए सतना शहर की जनता ने एक बार फिर विश्वास जताया है कि सतना में एक अच्छे और ईमानदार आयुक्त आए हैं। नगर निगम सूत्रों के अनुसार आयुक्त किसी की नहीं सुन रहे हैं और ना ही किसी के दबाव में आ रहे हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रख रहे हैं और शहर के हित में लगातार निर्णय ले रहे हैं। वाडों में जाकर सड़क नाली सफाई और सीवर रेस्टोरेशन के कार्यों को वे स्वयं देख रहे हैं। वहीं उनके निशाने में अवैध कॉलोनियां भी आ गई है और जल्द ही कार्यवाही अवैध कॉलोनी में होने वाली है ऐसी चर्चा भी है।जनता में चर्चा है कि ऐसे ईमानदार और तेज तर्रार अधिकारी के आने से सतना शहर के विकास को नई दिशा मिलेगी।

विधायक ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

सतना स्वतंत्रमत। विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी से सौजन्य मुलाकात कर आगामी 18 दिसंबर से 11 दिवसीय आयोजित होने वाले विंध्य व्यापार मेला में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने हेतु सादर आमंत्रित किया।



सामाजिक चेतना केंद्रों एवं विद्यालयों में सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर किया जागरूक

सेवा संकल्प अभियान के तहत अक्षरसाथी एवं नोडल अधिकारियों ने पात्रता, दस्तावेज और योजनाओं के लाभ की दी जानकारी

नरसिंहपुर।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर के अधीन संचालित उल्लास नव भारत साक्षरता सामाजिक चेतना केंद्रों एवं विद्यालयों में सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों में अक्षरसाथी एवं नोडल अधिकारियों ने असाक्षरों, नवसाक्षरों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीण *नागरिकों की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री ब्रजेश शर्मा, डीपीसी श्री प्रदीप द्विवेदी, बीआरसी श्री ओ.पी. राय, जिला उल्लास समन्वयक श्री अखिलेश



राजोरिया, जिला नोडल शिक्षा श्री राजोरिया, जिला नोडल शिक्षा श्री कार्यक्रमों के अनुसार जिले के विद्यालयों एवं सामाजिक चेतना केंद्रों पर आयोजित किए गए।

न्यायालय नज़ूल अधिकारी नरसिंहपुर सार्वजनिक उद्घोषणा				
रा.मा.क्र. अ-6 सन-2026-27				
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार फौती के आधार पर नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 06/11/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश दिया गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।				
अनुसूची				
नज़ूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लॉट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/ पिता/माता का नाम पूर्ण नाम पता
06	करेलीगंज	26/15	1500 वर्गफुट	दयाराम आ. टेकमल सिंघी सा. करेली गंज
इस्तेहार आज दिनांक. 29/9/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया				श्रीमती ईश्वरीबाई पति स्व. दयाराम राजकुमार, गोविंद कुमार, भागवती बाई, आशा, मीना, बबीता, पिय, स्व दयाराम, श्रीमति ज्योति पत्नी स्व प्रदीप कुमार लखेश, यश, पिय स्व. प्रदीप कुमार सिंघी सा. करेलीगंज
				नज़ूल अधिकारी नरसिंहपुर

इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन 19 को

मण्डला(स्वतंत्र मत)। श्री बजरंग व्यायामशाला दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड मंडला के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी स्वर्गीय शंभू उस्ताद की स्मृति में विशाल इनामी दंगल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 19 अक्टूबर को नवमी तिथि के अवसर पर दोपहर 3 बजे से प्राईवेट बस स्टैंड मंडला स्थित दुर्गा पंडाल के सामने आयोजित होगा। समिति द्वारा आयोजित इस दंगल में पहलवानों के बीच रोमांचक कुश्ती मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता का आयोजन कुश्ती के गहों पर किया जाएगा जिसमें पहलवान अपनी शारीरिक क्षमता, दांव-पेंच और कुश्ती कौशल का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन का उद्देश्य कुश्ती जैसी पारंपरिक भारतीय खेल विधा को प्रोत्साहित करना और पहलवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना है। अध्यक्ष विनोद कछवाहा श्री बजरंग व्यायाम शाला समिति बस स्टैंड ने जिले के समस्त कुश्ती प्रेमियों व्यायाम शालाओं के उस्तादों खलीफाओं एवं पहलवानों से दौलत में शामिल होने अपील की है। समिति ने सभी से आयोजन में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

नवरात्रि में शस्त्र पूजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल महिला परिषद एवं ओजस्विनी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में बिनेका के चांदनी चौक स्थित दुर्गा पंडाल के सामने शस्त्र पूजन किया गया। कार्यक्रम में विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शस्त्र पूजन कर भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपराओं का स्मरण किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने संगठन की मजबूती, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

मण्डला(स्वतंत्र मत)। अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान एवं उनके स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती सरिता अग्निहोत्री द्वारा उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों का आत्मीय स्वागत पुष्प एवं श्रीफल भेंट कर किया गया।

निवास में किसानों से संवाद

मण्डला / निवास(स्वतंत्रमत)। उपसंचालक कृषि किसान कल्याण तथा कृषि विकास द्वारा विकासखंड निवास के क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान कार्यक्रम में सहभागिता की गई। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय किसानों से संवाद कर कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं, ई-विकास प्रणाली, कृषि यंत्र अनुदान सहित अन्य विभागीय प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया भ्रमण के दौरान उपसंचालक कृषि ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, निवास तथा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित मार्केफंड केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

घुघरी में पशु तस्करी ने खड़े किए सवाल कथित नेटवर्क सक्रिय होने की चर्चा पुलिस करे कार्यवाही उठी मांग

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत) ।

तहसील मुख्यालय घुघरी में पशु तस्करी को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र में पशुओं के अवैध परिवहन की आशंकाओं और इस तरह की गतिविधियों को लेकर सामने आ रही चर्चाओं ने पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर भी सवालिया निशान लगा दिया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि क्षेत्र में अवैध पशु परिवहन की गतिविधियां संचालित हो रही हैं तो इसकी भनक पुलिस के सूचना तंत्र को समय रहते क्यों नहीं लग रही क्या संवेदनशील मार्गों पर पर्याप्त निगरानी नहीं है या फिर संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने के बाद भी कार्यवाही में देरी हो रही है मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि घुघरी तहसील मुख्यालय होने के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और विभिन्न मार्गों से जुड़ा हुआ है। ऐसे में क्षेत्र में आने-जाने वाले वाहनों की निगरानी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना पुलिस की नियमित जिम्मेदारी का हिस्सा है। पशुओं के अवैध



परिवहन की पुष्टि होने पर संबंधित कानूनों के तहत कार्यवाही का प्रावधान है। बावजूद इसके यदि ऐसी गतिविधियों की शिकायतें या आशंकाएं सामने आती हैं तो पुलिस की कार्यप्रणाली और सूचना तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। खासकर ऐसे मामलों में जहां वाहनों के माध्यम से अवैध परिवहन की आशंका हो वाहनों के माध्यम से अवैध परिवहन की आशंका हो वाहनों के माध्यम से अवैध परिवहन की आशंका हो वाहनों के माध्यम से अवैध परिवहन की आशंका हो वाहनों के माध्यम से अवैध परिवहन की आशंका हो

कार्यवाही को प्रभावी बना सकता है। घुघरी क्षेत्र को लेकर अब सवाल यही है कि क्या पुलिस का सूचना तंत्र पूरी तरह सक्रिय है यदि सक्रिय है तो पशु तस्करी से जुड़ी संभावित गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक किस स्तर तक पहुंच रही है और यदि जानकारी मिल रही है तो उस पर कार्यवाही किस स्तर पर की जा रही है हालांकि इन सवालों का खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही होनी चाहिए। वहीं यदि शिकायतें निराधार पाई जाती हैं तो इसकी

प्रशासन के सामने निगरानी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। पशु परिवहन से जुड़े मामलों में वाहनों की जांच और संवेदनशील मार्गों पर निगरानी महत्वपूर्ण होती है। पशु तस्करी की शिकायतें सामने आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल जवाबदेही का है। यदि जांच में अवैध पशु परिवहन की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही होनी चाहिए। वहीं यदि शिकायतें निराधार पाई जाती हैं तो इसकी



स्थिति भी स्पष्ट की जानी चाहिए, ताकि अफवाहों और वास्तविक घटनाओं के बीच अंतर सामने आ सके।

पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती केवल कार्यवाही करने की नहीं बल्कि लोगों का भरोसा बनाए रखने की भी है। किसी क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को लेकर लगातार सवाल उठें और पुलिस की ओर से स्थिति स्पष्ट न हो तो इससे आम लोगों के बीच असमंजस पैदा होता है। ऐसे में पुलिस प्रशासन को यह बताना

चाहिए कि घुघरी क्षेत्र में पशु तस्करी अथवा अवैध पशु परिवहन को लेकर अब तक कितनी शिकायतें प्राप्त हुईं कितने मामलों की जांच की गई और यदि कार्रवाई हुई है तो उसका परिणाम क्या रहा। संदिग्ध वाहनों की नियमानुसार जांच, रात्रिकालीन गश्त और स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को सक्रिय करने जैसे कदम स्थिति पर नियंत्रण में मददगार हो सकते हैं। इसके साथ ही संबंधित विभागों के बीच समन्वय भी जरूरी है



छात्रों ने बनाया भारत का नक्शा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नैनपुर के जेआरसी मैदान में सेवा के रंग राष्ट्र के संग थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अनुशासन और सामूहिक सहभागिता के साथ मानव रंगोली के माध्यम से भारत का विशाल नक्शा तैयार कर राष्ट्रभक्ति राष्ट्रीय एकता और जनसेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपति्या उड्के रहीं। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं जिला महामंत्री नरेश चंदेल, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी ने भारत माता को माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मानव रंगोली की सबसे खास बात यह रही कि इसमें प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की 34 प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों ने भारत का मानचित्र बनाकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया वहीं उनके प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। इस दौरान पूर्व मीसाबंदी खुब्बालाल नामदेव, पूर्व जिलाध्यक्ष बालकिशन खंडेलवाल, मंडल अध्यक्ष राकेश रजक, शिव रानु राजपूत, मंडल महामंत्री सुभाष सेन, नंतेश झारिया सहित नैनपुर नगर मंडल के पदाधिकारी एवं मोर्चा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

जंतीपुर में बनी अनोखी भूलभुलैया

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम जंतीपुर में इस वर्ष नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए एक अनोखा और रोमांचक धार्मिक आकर्षण तैयार किया गया है। खेरमाई सेवा समिति के तत्वावधान में मां मन्नत वाली काली जंतीपुर वाली के 16 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष भूलभुलैया का निर्माण किया गया है। समिति द्वारा तैयार की गई यह भूलभुलैया इन दिनों श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। बताया गया कि मां मन्नत वाली काली के प्रति क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। समिति के दस्त्यों द्वारा इसे आकर्षक तरीके से तैयार किया गया है, ताकि वातावरण के साथ एक अलग अनुभव भी प्राप्त कर सकें। रात 1 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए भूलभुलैया और मां मन्नत वाली काली के दर्शन की व्यवस्था रहेगी।

रोजगार मेला का आयोजन हुआ चयन

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत) ।

युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर को विकासखंड नारायणगंज में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत नारायणगंज मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं प्रदान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेले में क्षेत्र के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया रोजगार मेले में कुल 526 युवाओं ने प्रतिभाग किया जिनमें से 427 युवाओं का विभिन्न रोजगार अवसरों के लिए चयन किया गया मेले में वर्धमान फैब्रिक्स सीपेट भोपाल प्रथम फाउंडेशन क्रेस कॉर्प रेड्डी फाउंडेशन एवं परम आईटीआई सहित विभिन्न कंपनियों और संस्थानों ने



सहभागिता की।

इनके माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसरों कौशल विकास तथा अपनी योग्यता के अनुरूप कार्य चुनने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम भारतीय,



कामयाब हो गई।

एक्सीलेंस स्कूल के कुणाल वनवासी को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब दिया गया। प्रतियोगिता की सबसे अनुशासित टीम का किताब ब्रेन चाइल्ड अकैडमी को दिया गया। मोंटफोर्ट स्कूल के दिव्यांश उड्के को बेस्ट फील्डर,ब्रेन चाइल्ड अकैडमी के रूद्र धूमकेतु को बेस्ट डिफेंडर ज्ञानदीप स्कूल के

कार्तिक कछवाहा बेस्ट लेफ्ट डिफेंडर, भारत ज्योति के साहिल बैरागी को बेस्ट लेफ्ट आउट, क्मांक 2 के आशीष पल्लेश्वर को बेस्ट राइट आउट, भारत ज्योति के निहाल धौलपुरिया को बेस्ट गोलकीपर, अमल ज्योति के वेदांत यादव को बेस्ट राइट डिफेंडर, मोंटफोर्ट के अनमोल मिश्रा को बेस्ट स्कोरर, केंद्रीय विद्यालय के शिवम मार्को को

गरबा महोत्सव में आरोंगे कलाकार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पड़व स्थित अष्ट विनायक लॉन में 17 से 19 अक्टूबर तक रात्रि में गरबा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में 18 अक्टूबर को टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह बिग बॉस 18 नागिन जूही मुंही एवं मोहित जैसवानी नागिन, कुमकुम भाग्य शामिल होंगे। दोनों कलाकारों की मौजूदगी से गरबा महोत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल सकता है। तीन दिवसीय गरबा महोत्सव में रंग-बिरंगे परिधानों में गरबा संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उत्सव का माहौल रहेगा। आयोजक मंडल के शेखर हिड्डा,वैभव चौरसिया, समर्थ मिश्रा, अमन पटेल, अमित धुवें, आर्यन मिश्रा, हर्षित उसराटे, अनुज राजपूत,शुभांगी मिश्रा, मानसी पटेल, पूजा बाजपेई एवं खुशी मिश्रा ने पहुंचने अपील की है।

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। ग्राम पंचायत मवई में नवनिर्वाचित सरपंच संजय भलावी के पदभार ग्रहण एवं आभार सभा का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुआ और रैली के रूप में ग्रामवासी ग्राम पंचायत भवन पहुंचे जहां आभार सभा एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।इस अवसर पर सरपंच संजय भलावी ने समस्त ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए ग्राम के विकास जनसेवा और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की भावना व्यक्त की कार्यक्रम में ग्रामवासी ग्राम पंचायत के सदस्यगण क्षेत्रीय जनपद सदस्य, उपसरपंच सहित वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एंबुलेंस के लिए बनाया ग्रीन कॉरिडोर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नवरात्रि दशहरा एवं मूर्ति विसर्जन शोभायात्राओं के दौरान आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात व्यवस्था के तहत 15 से 25 अक्टूबर तक एंबुलेंस वाहनों के लिए ग्रीन कॉरिडोर मार्ग निर्धारित किया गया है इसके अंतर्गत नारायणगंज-निवास, डिंडोरी-मोहागांव, बिछिया-पदमी, घंसौर तथा बम्हनी-नैनपुर-पिंडई मार्गों से आने-जाने वाली एंबुलेंस निर्धारित रास्तों से जिला अस्पताल पहुंच सकेंगी नारायणगंज एवं निवास रोड की एंबुलेंस कटरा बायपास, बिछिया तिराहा, नेहरू स्मारक चौक, एलआईसी तिराहा, योजना भवन, कलेक्ट्रेट, एसपी कार्यालय, जेलघाट तिराहा, कचहरी मोहल्ल और रब्बानी चौक होते हुए जिला अस्पताल पहुंचेंगी डिंडोरी एवं मोहागांव रोड से आने वाली एंबुलेंस आमानाला बायपास से डायवर्ट होकर राष्ट्रीय राजमार्ग और कटरा बायपास के रास्ते इसी निर्धारित मार्ग से जिला अस्पताल पहुंचेंगी। बिछिया एवं पदमी रोड की एंबुलेंस पदमी स्थित प्रथम ढाबा से डायवर्ट होकर पुरवा आरटीओ कार्यालय, किंगफिशर के सामने, पोड़ी तिराहा, महाराजपुर बजरंग चौक, आंगन तिराहा, कारीकोन, महिष्मती घाट, सर्किट हाउस और एलआईसी तिराहा होते हुए जिला अस्पताल जाएंगी घंसौर रोड से आने वाली एंबुलेंस आंगन तिराहा, कारीकोन, महिष्मती घाट, सर्किट हाउस और एलआईसी तिराहा होते हुए जिला अस्पताल पहुंचेंगी। वहीं बम्हनी, नैनपुर एवं पिंडई रोड से आने वाले वाहन महाराजपुर, आंगन तिराहा, कारीकोन, महिष्मती घाट, सर्किट हाउस और एलआईसी तिराहा होकर निर्धारित मार्ग से अस्पताल पहुंचेंगे इस विशेष व्यवस्था का उद्देश्य त्योहारों के दौरान शोभायात्राओं एवं विसर्जन के कारण यातायात प्रभावित होने की स्थिति में भी आपातकालीन मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना है।

शानि मंदिर की दान पेटी का ताला तोड़कर नकदी चोरी, चोरों के हौसले बुलंद

भगवान के मंदिर भी चोरों के निशाने

पर, दान पेटी से रुपये चोरी होने से

श्रद्धालुओं में नाराजगी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर में चोरी की घटनाओं के बीच अब चोरों ने भगवान के मंदिर को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। श्री हनुमान गढ़ी बुधवार बाजार स्थित शनि मंदिर में बीती रात अज्ञात चोरों के द्वारा दान पेटी का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार सुबह मंदिर पहुंचे पर जानकारी लगी की मंदिर की दान पेटी अज्ञात चोरों ने शनि मंदिर में रखी दान पेटी का ताला तोड़कर श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई दान राशि पर हाथ साफ कर दिया। दान पेटी से कितनी राशि चोरी हुई है, इसकी जानकारी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है।

मंदिरों की सुरक्षा पर उठ रहे सवाल-धार्मिक स्थल पर चोरी की घटना ने मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। श्रद्धालुओं द्वारा आस्था के साथ दान की गई राशि की चोरी होना चिंता



का विषय है।

चोरों पर कार्रवाई की मांग-मंदिर में हुई चोरी की घटना के बाद अज्ञात चोरों की पहचान कर चोरी गई राशि बरामद करने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है। साथ ही नगर के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की आवश्यकता जताई जा रही है।

विहिप-बजरंग दल ने किया शस्त्र पूजन

धर्मसभा में हिंदू एकता और सामाजिक जागरूकता पर दिया जोर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर के स्थानीय बस स्टैंड में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में विशाल शस्त्र पूजन, शस्त्र-शास्त्र रैली और धर्मसभा का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था, पारंपरिक संस्कृति और संगठनात्मक उत्साह से ओतप्रोत इस आयोजन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने सहभागिता की। पूरे कार्यक्रम के दौरान जय श्रीराम और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर में विधि-विधान एवं वैदिक



मंत्रोच्चार के साथ शस्त्र पूजन से हुआ।

विशिष्ट अतिथि पूज्य संत खडेश्वरी महाराज भुआबिछिया, कार्यक्रम अध्यक्ष शिव नामदेव, अध्यक्ष, हनुमान गढ़ी समिति नैनपुर, मुख्य वक्ता तारसी राजेन्द्र उपाध्याय, प्रान्त संयोजक, बजरंग दल सिवनी , नगर अध्यक्ष दिनेश

श्रीवास्तव की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने परंपरानुसार शस्त्रों का पूजन कर धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। विजयादशमी पर शस्त्र पूजन की परंपरा को शक्ति, साहस और अत्याय के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।।

शस्त्र पूजन के उपरांत सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में भगवा ध्वज लेकर रैली के रूप में बस स्टैंड से रवाना हुए। जय श्रीराम और हर-हर महादेव के गगनभेदी उद्घोष के बीच कितनी रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी और पुनः बस स्टैंड पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान भगवा ध्वजों से सजा

वातावरण और युवाओं का उत्साह आयोजन के प्रमुख आकर्षण रहे। रैली के माध्यम से संगठन ने धार्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया। रैली के समापन के बाद बस स्टैंड परिसर में धर्मसभा आयोजित की गई।

महानवमी पर मां सिद्धिदात्री की उपासना: बुराई पर अच्छाई की विजय का महापर्व

शुभा दुबे

बंगाल की धरती पर शारदीय नवरात्र मात्र एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि यह संस्कृति, श्रद्धा और समाज की समग्र चेचना का महापर्व है। दुर्गापूजा का चरम बिंदु जब आता है, तब उसका नाम होता है महानवमी- वह पवित्र तिथि जब शक्ति की आराधना अपने सर्वोच्च शिखर पर पहुँचती है। नवरात्र के नौवें दिन मनाया जाने वाला यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी बंगाल की पहचान का जीवंत प्रतीक है। महानवमी, माँ दुर्गा के नवम स्वरूप सिद्धिदात्री को समर्पित है। सिद्धिदात्री अर्थात् वह देवी जो अपने भक्तों को सभी सिद्धियाँ और वरदान प्रदान करती हैं। पुराणों के अनुसार, इस दिन देवी दुर्गा ने असुर महिषासुर का संहार कर धर्म की स्थापना की थी। इसलिए महानवमी को विजय की भूमिका भी कहा जाता है – यह उस क्षण का प्रतीक है जब अच्छाई बुराई पर निर्णायक विजय प्राप्त करती है। बंगाल में इस दिन का धार्मिक महत्व कुछ और भी बढ़ जाता है क्योंकि दुर्गापूजा के चार दिनों (पष्ठी से नवमी तक) में नवमी सबसे शुभ मानी जाती है। देवी के शस्त्रों की पूजा, महापुष्पांजलि और बलिदान की प्रतीकात्मक विधियाँ इसी दिन संपन्न होती हैं। महानवमी की सुबह मंदिरों और घरों में विशेष अनुष्ठानों के साथ आरंभ होती है। बंगाल में इसका प्रमुख आयोजन महास्नान और महापूजा से शुरू होता है। देवी की मूर्ति को गंगा जल और पवित्र औषधियों

17 अक्तूबर को तुला में सूर्य का गोचर, शनि संग बनेगा षडाष्टक योग, 3 राशियां रहें सतर्क

दिव्यांशी भदौरिया

आज यानी 17 अक्तूबर 2026 को सूर्य कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, सूर्य का यह राशि परिवर्तन शाम 7 बजकर 57 मिनट पर होगा। ज्योतिष शास्त्र में तुला को सूर्य की नीच राशि माना जाता है। इस समय कुंभ राशि में स्थित शनि के साथ सूर्य का षडाष्टक योग बनाएंगे। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, इस योग का प्रभाव कुछ राशि के जातकों के कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन पर पड़ सकता है। इन राशियों के लोगों को जरूरी फ़ैसले लेते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। आइए आपको बताते हैं कौन हैं ये लकी राशियां जिनकों सतर्क रहने की जरूरत है और क्या उपाय कर सकते हैं।

वृषभ राशि

- इस समय वृषभ राशि के जातकों को अपने व्यवहार और आर्थिक फैसलों पर विशेष ध्यान की जरूरत होती है।
- वर्क प्लेस पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचारों का टकराव होना तक है। इसलिए जरूरत से ज्यादा बहस से दूर रहें।
- आर्थिक मामलों में जल्दबाजी करने से जरूर बचें।
- हेल्थ के लिहाज से भी अपनी दिनचर्या का ध्यान रखना काफी जरूरी है।

उपाय- वृषभ राशि के जातकों को भगवान शिव की आराधना करना जरूरी है और शिव चालीसा का पाठ करें।

तुला राशि
- तुला राशि के जातकों के लिए सूर्य का गोचर करियर और व्यक्तिगत जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। - वर्क के चर्चते जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, जिससे आपको मानसिक दबाव महसूस हो सकता है। - जो लोग पार्टनरशिप में व्यापार करने वाले लोग लेन-देन और व्यावसायिक समझौतों में पारदर्शिता बनाए रखने की जरूरत है। - इस समय जोखिम भरे निवेश और स्ट्रेटबाजी से दूरी बनाकर चलें। - बातचीत के समय थोड़ा संयम जरूर बरतें और दूसरो की बातों जरूर समझें।
उपाय- तुला राशि के लोगों को हनुमान जी की पूजा करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें।
मीन राशि
- इस अवधि में मीन राशि के लोगों को करियर और धन के मामले में सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत हो सकती है। - नौकरी में प्रमोशन या मनचाह परिणाम मिलने में देरी होने से निराशा महसूस हो सकती है। - लेकिन, धैर्य बनाए रखने और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना सबसे श्रेष्ठ है। - अचानक से बढ़ने वाला खर्च बजट को प्रभावित कर सकता है, इसलिए गैरजरूरी खरीदारी से बचें। - कानूनी मामलों से संबंधित लोगों को दस्तावेजों और जरूरी प्रक्रियाओं पर ध्यान देना चाहिए।
उपाय- मीन राशि के जातक सूर्य देव की उपासना करें और सूर्य मंत्रों का श्रद्धापूर्वक जाप करें।

डॉ. मुकेश असीमित

अखबार में एक खबर पर नज़र पड़ी... इस बार रावण बनाने के लिए इम्पोटेंट कागज मंगवाया जा रहा है जापान से... रावण भी 'मेड इन जापान!' लो जी... कर लो बात, रावण भी इम्पोटेंट! मतलब, हमें हमारी देसी टेक्नोलॉजी पर इतना अविश्वास हो गया है...। कह रहे हैं, देसी मटेरियल से बना रावण, बरसात की मार नहीं झेल पाता। गलने लगता है बूँदें पड़ते ही...। रावण को बने रहना पड़ेगा दशरहे तक...। पुतले बोलते नहीं, उन्हें जैसा आकार दे दो, अपने मन की मर्जी के हिसाब का आकार। ये दस सर क्यो बना रहे हैं.. अपने मन के रावण जैसा बनाना है तो एक ही सर बना दो, वही जो दुनिया को दिखाते हो..किसने देखा है, अन्दर छुपाये रखे वो दस चिनौने चेहरे। बनाना है तो बनाओ उसके दो हाथ जो पीछे बंधे हुए है.. जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ के, रिश्तत के फेबिकोल से बंधे। सजा दो उसकी आस्तीन में वो जातिवार, भ्रष्टाचार, धार्मिक उन्माद के जहरीले सांप...। लेकिन नहीं..हम रावण को रावण जैसा बना भी दें फिर भी हम वो हैं जो उसे राम भी बता दें, तो आपको विवादास करना पड़ेगा...। हमारी नजर में राम और रावण में कोई भेद नहीं...। रावण के पुतले

से स्नान कराया जाता है, फिर सुगंधित वस्त्र, फूल, फल और धूप-दीप से उनका श्रृंगार किया जाता है।

महापुष्पांजलि

नवमी की पूजा का मुख्य अंग पुष्पांजलि है। भक्तगण मिलकर यादेवी सर्वभूतेषु जैसे मंत्रों के साथ देवी को फूल अर्पित करते हैं।
बलिदान और नेतेद्य
पारंपरिक रूप से इस दिन बकरी या भैंसे के बलिदान का भी प्रचलन था, जो आज अधिकांश स्थानों पर प्रतीकात्मक रूप में लौकी या कद्दू के रूप में किया जाता है।
होम और हवन
नवमी के अवसर पर यज्ञ-हवन द्वारा वातावरण को पवित्र किया जाता है और देवी से शक्ति और समृद्धि की कामना की जाती है।

सांस्कृतिक उत्सव का चरम

धार्मिक विधियों के साथ-साथ महानवमी बंगाल की सांस्कृतिक चेतना का भी चरम बिंदु है। पंडालों में उमड़ती भीड़, ढाक की गूंज, धुनुची नृत्य और भक्ति गीतों का वातावरण इस दिन अपने उत्कर्ष पर होता है। परिवारों और समुदायों का मेल-मिलाप, सामाजिक एकता और सामूहिक उत्सव का यह भाव बंगाली समाज की आत्मा को उजागर करता है।
बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन नये वस्त्र धारण कर देवी के दर्शन के लिए निकलता है। पंडालों में कला और आस्था का अनुभू संगम देखने को मिलता है, जहां पारंपरिक मूर्तियों से लेकर आधुनिक थीम तक, सब कुछ माँ दुर्गा की महिमा को समर्पित होता है।

कोई इस दिन नये वस्त्र धारण कर देवी के दर्शन के लिए निकलता है। पंडालों में कला और आस्था का अनुभू संगम देखने को मिलता है, जहां पारंपरिक मूर्तियों से लेकर आधुनिक थीम तक, सब कुछ माँ दुर्गा की महिमा को समर्पित होता है।

5 दिसंबर 2026 को कर्क राशि में होगा केतु का गोचर, इन 3 राशियों को मिलेगा बड़ा लाभ

इस बार साल 2026 के अंत में ग्रहों की चाल में काफी बदलाव देखने को मिलेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, केतु गोचर को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस गोचर से सभी 12 राशियों पर प्रभाव देखने को मिलेगा। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, छाया ग्रह केतु 5 दिसंबर 2026 को कर्क राशि में प्रवेश करेगा। चंद्रमा कर्क राशि के स्वामी है। इसलिए केतु का चंद्रमा की राशि में गोचर करने से कुछ राशियों के जातकों को लाभ मिलेगा। नौकरी से लेकर व्यापार में तरकी देखने को मिलेगी। इतना ही नहीं, गाड़ी और सुख-सुविधाओं से जुड़े सपने पूरे होने की उम्मीद भी बढ़ सकती है। चलिए आपको बताते हैं कौन हैं ये लकी राशियां जिनकी किस्मत चमकने वाली है।

कर्क राशि

असल में केतु का गोचर कर्क राशि में होने वाला है, इससे इस राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा। इस अवधि में जातकों को मानसिक रुप से राहत प्राप्त होगी। निवेश क्षेत्र में काम करने वाले जातकों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। वहीं, आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिए गए फैसले आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। परिवार के साथ संबंध बेहतर होने वाला है। आपकी मेहनत को पहचान मिलने वाली है। इसके साथ ही आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। कुल मिलाकर यह समय आपके लिए बदलाव लेकर आने वाला है।

थाली, चुनरी से लेकर हलवा-चना भोग तक, कन्या पूजन में शामिल करें ये चीजें

नवरात्रि का पर्व का उत्साह हर जगह देखने को मिल रहा है। दुर्गा पंडाल से लेकर रामलीला का आयोजन देशभर में देखने को मिल रहा है। नवरात्रि में साधक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। इस दौरान कन्या पूजन के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है।

खासतौर पर कुछ लोग अष्टमी के दिन कन्या पूजन करते हैं, तो कुछ लोग नवमी तिथि के दिन कन्या पूजन करते हैं। यही कारण है कि नवरात्रि में अष्टमी और नवमी तिथि का विशेष महत्व होता है। इस दिन 9 कन्याओं को भोजन कराने का विधान है। अगर संभव न हो पाए तो आप 5 या 7 कन्याओं को भी भोजन करा सकते हैं।

इसके साथ कांजक को गिफ्ट के तौर पर श्रृंगार की सामग्री, पढ़ाई-लिखाई का सामान आदि दे सकते हैं। माना जाता है कि विधिपूर्वक कन्या पूजन करने से माता दुर्गा की कृपा परिवार पर बनी रह सकती है। कन्या पूजन के लिए पूजन की सामग्री होना बेहद जरूरी है। आइए आपको बताते किन-किन चीजों का होना महत्वपूर्ण है।

कन्या पूजन सामग्री लिस्ट

- कन्याओं के पैर धोने के लिए एक थाली और साफ जल
- साफ वस्त्र पैर पोछने के लिए

महानवमी केवल देवी की पूजा नहीं, बल्कि एक गहरा संदेश भी देती है कि जब तब मनुष्य अपने भीतर की अज्ञानता, अहंकार और नकारात्मक शक्तियों को नहीं जीतता, तब तक सच्चा विजयदशमी संभव नहीं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि शक्ति केवल बाहरी अस्त्रों में नहीं, बल्कि भीतर की साधना और संयम में भी निहित है।

माँ सिद्धिदात्री की उपासना केवल वरदान पाने की ओर धर्म की ही होती है। यह त्योहार लोगों को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के अनुसार भगवान राम ने रावण का वध कर अपनी पत्नी सीता को उसके बंदीगृह से मुक्त कराया था। यह पर्व यह संदेश देता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो अंत में जीत सत्य और धर्म की ही होती है। यह त्योहार लोगों को नैतिक मूल्यों, सत्य, और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। दशहरा शब्द हिंदी के दो शब्दों दस और हारा से मिलकर बना है। जहां दस गणित के अंक दस (10) और हारा शब्द पराजित का सूचक है। इसलिए यदि इन दो शब्दों को जोड़ दिया जाए तो दशहरा बनता है। जो उस दिन का प्रतीक है जब दस सिर वाले दुष्ट रावण का भगवान राम ने वध किया था। दशहरा अथवा विजयदशमी पर्व को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में। दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है। शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। दशहरा भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसी दिन भगवान राम ने बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण का संहार किया था तो देवताओं को हराकर स्वर्ग पर अधिकार करने वाले महिषासुर का 10 दिन तक चले भयंकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने वध किया था। इसको विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है। भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है।

बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों, ओडिया, और आसमिया लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बंगाल में दशहरा पूरे पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिशा और असम मे चार दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों में विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। यहां दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। कर्नाटक में मैसूर का दशहरा भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का शृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभायात्रा का आनंद लेते हैं। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिना का उपवास रखकर मनाते हैं। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकों में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकरलोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैंजो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहाँ दशहरा श्रावण मास की अमावास्य से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। बस्तर में यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है।

गुजरात में मिट्ठी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों तक चलता है जिसमें तीन देवियां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा करते हैं। पहले तीन दिन वन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन होता है। अगले तीन दिन कला और विद्या की देवी सरस्वती की अर्चना की जाती है और अंतिम दिन देवी शक्ति की देवी दुर्गा की स्तुति की जाती है। पूजन स्थल को अच्छी तरह फूलों और दीपकों से सजाया जाता है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां व कपड़े देते हैं। कश्मीर के अल्पसंख्यक हिन्दू नवरात्रि के पर्व को श्रद्धा से मनाते हैं। परिवार के सारे वयस्क सदस्य नौ दिनों तक उपवास करते हैं। अत्यंत पुरानी परम्परा के अनुसार नौ दिनों तक लोग माता खीर भवानी के दर्शन करने के लिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं।

चावल, सिक्का, दूवां, हल्दी की गांठ और एक फूल जरूर बांधकर दें। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से मां दुर्गा की कृपा परिवार के सभी सदस्यों पर बनी रहती है। इसके साथ ही घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

परिवार सहित लें कन्याओं का आशीर्वाद

जब आप कन्याओं को भोजन कराएं, तो आप उन्हें उपहार दे दें, तो इसके बाद पूरे परिवार के साथ सभी कन्याओं के चरण छूकर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। इसके साथ ही, उन्हें घर के द्वार तक छोड़ने जाएं। ऐसा करने से माता दुर्गा प्रसन्न हो सकती हैं और घर-परिवार का माहौल सुकून भरा रहता है।
कन्याओं को दें विशेष पोटली
जिस दिन आप कन्या का पूजन करें, तो अष्टमी अथवा नवमी तिथि पर कन्याओं को एक वस्त्र में

रविवार 18 अक्टूबर 2026

सत्य की जीत का सन्देश देता है दशहरा

भारत एक विविधताओं से भरा देश है जहाँ अनेक धर्मों और संस्कृतियों के लोग साथ रहते हैं। यहां साल भर अनेक त्योहार मनाए जाते हैं जो न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक भी होते हैं। इन्हीं प्रमुख त्योहारों में से एक है दशहरा जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है और इसका भारतीय संस्कृति में एक विशेष स्थान है। दशहरा का पर्व भगवान राम की रावण पर विजय के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इसे विजयादशमी कहा जाता है, जिसका अर्थ है विजय प्राप्त करने वाला दसवाँ दिन। रामायण के अनुसार भगवान राम ने रावण का वध कर अपनी पत्नी सीता को उसके बंदीगृह से मुक्त कराया था। यह पर्व यह संदेश देता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो अंत में जीत सत्य और धर्म की ही होती है। यह त्योहार लोगों को नैतिक मूल्यों, सत्य, और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

दशहरा शब्द हिंदी के दो शब्दों दस और हारा से मिलकर बना है। जहां दस गणित के अंक दस (10) और हारा शब्द पराजित का सूचक है। इसलिए यदि इन दो शब्दों को जोड़ दिया जाए तो दशहरा बनता है। जो उस दिन का प्रतीक है जब दस सिर वाले दुष्ट रावण का भगवान राम ने वध किया था। दशहरा अथवा विजयदशमी पर्व को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में। दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है। शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। दशहरा भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसी दिन भगवान राम ने बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण का संहार किया था तो देवताओं को हराकर स्वर्ग पर अधिकार करने वाले महिषासुर का 10 दिन तक चले भयंकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने वध किया था। इसको विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है। भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है।

बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों, ओडिया, और आसमिया लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बंगाल में दशहरा पूरे पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिशा और असम मे चार दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों में विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। यहां दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। कर्नाटक में मैसूर का दशहरा भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का शृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभायात्रा का आनंद लेते हैं। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिना का उपवास रखकर मनाते हैं। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकों में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकरलोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैंजो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहाँ दशहरा श्रावण मास की अमावास्य से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। बस्तर में यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है।

गुजरात में मिट्ठी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों तक चलता है जिसमें तीन देवियां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा करते हैं। पहले तीन दिन वन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन होता है। अगले तीन दिन कला और विद्या की देवी सरस्वती की अर्चना की जाती है और अंतिम दिन देवी शक्ति की देवी दुर्गा की स्तुति की जाती है। पूजन स्थल को अच्छी तरह फूलों और दीपकों से सजाया जाता है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां व कपड़े देते हैं। कश्मीर के अल्पसंख्यक हिन्दू नवरात्रि के पर्व को श्रद्धा से मनाते हैं। परिवार के सारे वयस्क सदस्य नौ दिनों तक उपवास करते हैं। अत्यंत पुरानी परम्परा के अनुसार नौ दिनों तक लोग माता खीर भवानी के दर्शन करने के लिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं।

कलियुग का रावण

इसलिए जला पाते हैं क्योंकि हमें पता है कि अगले साल फिर उसे जलाने का मौका मिलेगा। अगर कोई कह दे कि %बस, इस बार आखिरी बार जलाना है,% तो शायद कोई तैयार न हो। क्यूं की हमें भाता है रावण को हर साल देखना, और बड़े कद में,और भव्य,और आकर्षक..। ये तो नेताओं, आयोजकों और संस्थाओं के लिए भीड़ जुटाने का एक सर्कस शो है, एक स्टार सेलिब्रिटी के रूप में रावण मौजूद है, प्रसिद्धी, धन,यश, वोट,अहंकार..सब कुछ आपके लिए बटोरेंगा...हुकुम मेरे आका ।

आप क्या सोचते हैं,राम के भी पुतले बनने चाहिए.. क्यों नहीं बनते? बनाने की कोशिश करते भी हैं..लेकिन जब बनकर तैयार होते है तो देखते है..ये तो रावण का बन गया..। आदमी पुतले में अपने मन का अहंकार ही तो उजारता है, जब तक मन का अहंकार रहेगा, पुतला रावण का ही बन पाएगा, कितनी भी कोशिश कर लो ।

इस देश में एक सोची-समझी साजिश चल रही है... हर इवेंट को एक मुद्दा बना दो... मुद्दा जितना चमकीला और आकर्षक होगा, ताकतवर होगा, बड़ा होगा, उतनी ही जनता आकर्षित होगी। कोई भी घटना एक मुद्दा बने, समस्याएं भी मुद्दा बनें। समस्याएं हल नहीं होनी चाहिए, मुद्दे हल होने के लिए नहीं, दिखाने के लिए होते

हैं। हर बार मुद्दे को बड़ा किया जाता है... मुद्दे को वॉटरफूफ, बरसात रोषी, फायरफूफ बनाया जाता है।

हो सकता है कल रावण को जलाने की बजाय गाड़ने की सोचें, ताकि उसे जब चाहें कब से उखाड़ सकें, झाड़ू-पोंछकर दिखा सकें कि देखो, ये है रावण! बुराई का प्रतीक, और हमें इसे मारना है, जलाना है। ये सामने खड़ा है, आप नहीं मारो इसे, तुम्हे मारने का अधिकार नहीं है, हमें मारने दो। हम पत्थर मारेंगे, तीं मारेंगे, इसे जलाएंगे। ये अधिकार तुम हमें दो, अपना वोट हमें दो, ताकि हम इसे मार सकें।

समस्याएं? हाँ, बस रावण को हम मार देंगे तो सारी समस्याएं हल। बेरोजगारी की समस्या, गरीबी की, महंगाई की, हर समस्या का समाधान है बस रावण को जलाते रहना। लेकिन रोज-रोज नहीं जलाना है। पहले इसे बड़ा होने देंगे। छोटे रावण को मारेंगे तो जनता को मजान नहीं आएगा, इसलिए बस इंतजार करो... रावण बन रहा है... वॉटरफूफ... आकर्षक। तुम्हारे मन का रावण अट्टहास कर रहा है... हाँ, अब आएगा मजा! देखो रावण के जलने के साथ ही शहर की सारी समस्याएं जल कर राख हो गयी ..अब कोई टूटी सड़क नहीं,कोई कचरे से अटी पड़ी नालियां नहीं...कोई बीमार नहीं..कोई गरीब नहीं..कोई भूखा नहीं. . .।

कलियुग का रावण

चाहिए रामदीन ,अपने कारीगरों को समझा देना, वरना हम पेमेंट रोक लेंगे...।

मेले में बच्चों को घुमा भी लाये, कुछ चाट-पकोड़ी खिला लाये...। पिकनिक जैसा कुछ हो गया...। जैसे बच्चे की कोई रीरी थी जिसे एक टाँफी दिला दी बच्चा चुप हो गया..अब देखेंगे अंगली साल...। सदियों से यही होता आया है.. रावण के पुतले बनने राम के चोगे बनेंगे..! ईंसान की आता है मन के रावण को छुपाना, उस के ऊपर सभी ने राम के चोगे ओढ़ रखे हैं..।% मेला सज चुका है, रावण के पुतले-छोटे, बड़े, डोरेमोन स्टाय्ल, स्पाइडरमैन स्टाय्ल,

डायनासोर स्टाय्ल..बच्चों के मनपसंद के टीवी ओर कॉमिक्स करेक्टर में ढले रावण..., बड़े क्यूट से रावण-सब कुछ बाजार में मौजूद हैं।बच्चे रावण के खिलौने ही पसंद कर रहे हैं... उन्हें मारने के लिए नहीं..अलमीरा में या उनके स्टडी टेबल पर सजाने के लिए..। उन्हें मानते हैं असली हीरो... चॉम, देखो कितना क्यूट है! पर कहीं राम, लक्ष्मण, सीता के खिलौने नहीं ले रहा। वनवासी भेष में

राम, सीता, लक्ष्मण किसी को नहीं भा रहे...कूल नहीं है मोम ये।

दुकानदार भी खुश हैं--इस बार भी रावण के खिलौनों की मांग ज्यादा थी, पहले से ही दस गुना ज्यादा स्टॉक रखा था, और सब बिक गया। बचे रह गए तो बस राम, लक्ष्मण और हनुमान

नवाज और बेनजीर के बाद अब इमरान का नंबर?

पाकिस्तान के विपक्षी नेता ने किया पूर्व पीएम को देश से निकालने का दावा

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के विपक्षी नेता महमूद खान अचकजई ने दावा किया है कि जेल में बंद पीटीआई के चीफ और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर एक ऐसे समझौते के लिए दबाव डाला जा रहा है जो नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो के निर्वासन (देश से बाहर रहने) का कारण बना था।
पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पख्तूनख्वा मिली अवामी पार्टी के अध्यक्ष और पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता अचकजई ने शुक्रवार को पेशावर हाई कोर्ट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह दावा किया।
अचकजई के साथ तहरीक-ए-तहफुज-ए-आईन-ए-पाकिस्तान के नेता सरदार अख्तर मंगल और अल्लामा राजा नासिर अब्बास भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल एक-दूसरे के संपर्क में हैं और जल्द ही एक सर्वदलीय सम्मेलन बुलाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभाओं से इस्तीफा देना अभी भी एक विकल्प है। उन्होंने बताया कि बातचीत के प्रस्ताव के जवाब में विपक्ष ने अपनी मांगों सौंप दी हैं। यह दावा ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान तहरीक-ए-ईसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान जेल में हैं और राजनीतिक गतिविधियों तथा चुनी हुई संस्थाओं के कामकाज पर लगाई गई



पाबंदियों को लेकर विपक्ष ने सरकार पर आरोप लगाए हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, अचकजई की टिप्पणी उन परिस्थितियों की ओर इशारा करती है, जिनमें पाकिस्तान के दो सबसे प्रमुख पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो राजनीतिक उथल-पुथल के बाद देश से बाहर रहे थे।

तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ के नेतृत्व में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद शरीफ को सत्ता से हटा दिया गया और जेल में डाल दिया गया। सऊदी और लेबनानी नेताओं की मध्यस्थता से हुए एक समझौते के तहत वह साल 2000 में पाकिस्तान छोड़कर चले गए।

इस बीच 1997 के आम चुनावों में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की हार और तत्कालीन राष्ट्रपति फारूक लेघारी द्वारा हटाए

जाने के बाद भुट्टो खुद ही निर्वासन में चली गई। उनके पति आसिफ अली जरदारी को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में डाल दिया गया था और उन्हें 2004 में रिहा किया गया। अचकजई की बातों से ऐसा लगता है कि इमरान खान के मामले में भी कुछ ऐसा ही समझौता किया जा सकता है। हालांकि, डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उनके बयानों से यह साबित नहीं होता कि पीटीआई संस्थापक को लेकर कोई निर्वासन समझौता हो गया है या होने जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अचकजई ने कैदियों की मुलाकातों पर लगी पाबंदियों की आलोचना की और एक ऐसे बदलाव की मांग की जिसे उन्होंने गलत संशोधन बताया। उन्होंने संसद को और अधिक अधिकार देने और पारदर्शी चुनाव

सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र आयोग बनाने की भी मांग की।

उन्होंने कहा, दुनिया में कहीं भी कैदियों को लोगों से मिलने से नहीं रोका जाता है। उन्होंने तर्क दिया कि संसद को मजबूत किए बिना राजनीतिक विवादों को हल नहीं किया जा सकता। उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री और अन्य विधायकों के ठिकाने को लेकर भी चिंता जताई और अधिकारियों से मुख्यमंत्री के स्थान का खुलासा करने की मांग की। उन्होंने कहा, हम खैबर पख्तूनख्वा के लोगों के साथ खड़े हैं। इस प्रांत के खनिजों पर यहां के लोगों का पहला अधिकार है। राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर सभी को अपनी मातृभूमि के लिए एकजुट होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर देश सुरक्षित रहेगा, तभी वे भी सुरक्षित रह पाएंगे। अचकजई के साथ आए मंगल ने खैबर पख्तूनख्वा में सरकार के कदमों की आलोचना की और आतंकवाद के आधार पर वहां गवर्नर शासन लागू करने पर सवाल उठाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुने हुए प्रतिनिधियों को हटा दिया गया है और उन्होंने राजनीतिक व्यवस्था की वैधता पर सवाल उठाए। सीनेट में विपक्ष के नेता राजा नासिर अब्बास ने भी मौजूदा हालात की आलोचना करते हुए कहा, आपसे देश तो संभल नहीं रहा, फिर भी आपने एक प्रांत पर कब्जा कर रखा है।

रुबियो के साथ मुंबई में वार्ता करेंगे जयशंकर, द्विपक्षीय संबंधों तथा रणनीतिक साझेदारी पर होगी चर्चा

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर (वार्ता) विदेश मंत्री एस जयशंकर 20 अक्टूबर को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुंबई में मुलाकात करेंगे और इस दौरान दोनों देशों के संबंधों की समीक्षा के साथ-साथ व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा होगी। श्री जयशंकर 19 तथा 20 अक्टूबर को मुंबई में ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री महामहिम शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान की आधिकारिक यात्रा की मेजबानी करेंगे।

आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्री के मुंबई में कार्यक्रमों से जुड़े सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा , विदेश मंत्री 19 तथा 20 अक्टूबर को मुंबई में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री महामहिम शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान की आधिकारिक यात्रा की मेजबानी करेंगे। विदेश मंत्री मुंबई में 20 अक्टूबर को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बातचीत करेंगे और



अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के विदेश मंत्री की आगामी यात्रा से दोनों देशों को भारत-अमेरिका संबंधों की समीक्षा करने और अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा।

बातचीत में द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्र शामिल होने की उम्मीद है। इनमें ऊर्जा, व्यापार और निवेश, रक्षा, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकि तथा आपसी हित के अन्य क्षेत्र शामिल हैं। दोनों पक्ष क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि यह यात्रा

दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय बातचीत को जारी रखने और साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का अवसर देगी। श्री जयशंकर और श्री रुबियो के बीच राजधानी दिल्ली के बजाए मुंबई में वार्ता होने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री जायसवाल ने कहा कि पिछले एक दशक से यह परंपरा रही है कि समय-समय पर भारत के अलग-अलग शहरों में विदेशी गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी की जाती रही है। प्रधानमंत्री ने स्पेन के प्रधानमंत्री को बड़ौदा में, जर्मनी के चांसलर मर्ज की अहमदाबाद में और मॉरीशस के प्रधानमंत्री की वाशिंगसी में मेजबानी की थी।

इसके अलावा विदेश मंत्री ने शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक की गोवा में, बोस्नवाना के विदेश मंत्री की केवड़िया में और हार्ट ऑफ एशिया सम्मेलन की अमृतसर में मेजबानी की थी। शेख अल नाहयान की यात्रा के बारे में प्रवक्ता ने कहा कि उनकी यात्रा से भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा।

अमेरिका ने मानव तस्करी के मामले में चीन को तीसरी श्रेणी डाला

वाशिंगटन (वार्ता) । अमेरिका ने मानव तस्करी के मामले में चीन को तीसरी श्रेणी (टियर-3) में रखा है। अमेरिका के विदेश विभाग ने मानव तस्करी संबंधी 2026 की रिपोर्ट जारी की है, जिसमें चीन को तीसरी श्रेणी रखा गया है। गौरतलब है कि इस श्रेणी में उन देशों को शामिल किया जाता है, जिनकी सरकारें मानव तस्करी समाप्त करने के लिए न्यूनतम मानकों को पूरी तरह पूरा नहीं करती हैं और उन मानकों के अनुपालन के लिए महत्वपूर्ण प्रयास भी नहीं कर करती हैं। रिपोर्ट में चीन उन 12 देशों में शामिल है, जहां मानव तस्करी, सरकार से जुड़े क्षेत्रों में प्रस्ताव के अमेरिकी आपलन पर आधारित है। अमेरिका के मानव तस्करी पीड़ित संरक्षण अधिनियम के तहत, इस श्रेणी में रखे जाने से गैर-मानवीय सहायता और गैर-व्यापार संबंधी विदेशी सहायता की कुछ श्रेणियों पर प्रतिबंध लगा सकता है। हालांकि, राष्ट्रपति की छूट और अन्य अपवादों के तहत इन प्रतिबंधों में राहत दी जा सकती है।

रूस से तेल-गैस खरीदने पर नहीं लगेगा कोई टैरिफ, ट्रंप ने भारत समेत पांच देशों को दी राहत

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत को ट्रेड शुल्कों में राहत देने की घोषणा की है। उन्होंने रूस से जुड़े कई प्रतिबंधों और शुल्कों को हटाने का ऐलान किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ये राहत भारत के साथ चीन को भी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम से भारत और चीन को बड़ी राहत मिलेगी। ट्रंप उस कानून के तहत ये प्रतिबंध लगाने वाले थे, जिस पर उन्होंने बीते महीने साइन किया था। बता दें कि ट्रंप अमेरिका को किसी भी हाल में ट्रेड नुकसान नहीं होने देने कि लिए इस कानून के जरिए कई सख्त कदम उठाने वाले थे। इस दौरान रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर पूरे 100 फीसदी तक टैरिफ (शुल्क) लगाया जाता। इससे रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों को काफी आर्थिक नुकसान होता। दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम इस कानून के मुख्य समर्थक थे। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की की आलोचना करने और रूस के साथ नजदीकी बढ़ने के दौरान



ट्रंप का ये आदेश सामने आया है। इधर कुछ दिनों से अमेरिका और रूस की नजदीकी देखी जा सकती है। ट्रंप रूस और यूक्रेन दोनों के ही राष्ट्रध्यक्षों से युद्ध रोकने की अपील कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने दोनों ही देशों पर कई तरह से दबाव डाला लेकिन युद्ध नहीं रोक पाए। शुक्रवार को देर रात जारी एक कार्यकारी आदेश में ट्रंप ने बताया कि ग्राहम एक्ट के तहत आने वाले रोक, प्रतिबंधों और शुल्कों को लागू करने से छूट दी जा रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस को इसके लिए एक प्रमाण-पत्र वलोडिमिर जेलेंस्की की आलोचना करने और रूस के साथ नजदीकी बढ़ने के दौरान

बड़े फिल्म निर्माताओं की पसंद बना देवभूमि उत्तराखंड का प्राकृतिक परिवेश, मसूरी से नैनीताल तक हो रही शूटिंग

देहरादून (वार्ता)

देवभूमि उत्तराखण्ड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, मनोरम पर्वतीय भू-दृश्यों, ऐतिहासिक स्थलों और फिल्म शूटिंग के अनुकूल वातावरण के चरिते बड़े फिल्म निर्माताओं की पसंद बनाता जा रहा है। राज्य में इन दिनों बड़े फिल्म प्रोजेक्ट्स की शूटिंग की जा रही है। अक्षय कुमार मसूरी और लैंडौर क्षेत्र में तो जाइववी मसूरी नैनीताल में शूटिंग कर रहे है। बड़े फिल्म प्रोजेक्ट्स के उत्तराखण्ड पहुंचने से राज्य को फिल्म-अनुकूल छवि को मजबूती मिलने के साथ ही पर्यटन

और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध भौगोलिक परिस्थितियों के कारण फिल्म निर्माण के लिए अपार संभावनाएं रखता है। राज्य सरकार का प्रयास है कि उत्तराखण्ड को एक प्रमुख फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया जाए। इसके लिए फिल्म निर्माताओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने, शूटिंग की अनुमति प्रक्रिया को सरल



बनाने और स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म शूटिंग केवल राज्य के पर्यटन स्थलों को व्यापक पहचान दिलाने का माध्यम नहीं है, बल्कि

इससे स्थानीय युवाओं, कलाकारों, तकनीशियनों, होटल व्यवसायियों, परिवहन संचालकों और अन्य सेवा प्रदाताओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि

सरकार फिल्म पर्यटन को राज्य की अर्थव्यवस्था से जोड़ते हुए स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार प्रदेश में फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तराखण्ड फिल्म नीति 2024 के अंतर्गत अनुकूल वातावरण विकसित कर रही है। राज्य में सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से शूटिंग संबंधी अनुमतियों को सरल और समयबद्ध बनाने पर जोर दिया जा रहा है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत सात दिनों के भीतर शूटिंग अनुमति

उपलब्ध कराने की व्यवस्था फिल्म निर्माताओं के विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करने में सुविधा प्रदान करती है। इस फिल्म नीति के माध्यम से राज्य में फिल्म निर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने, स्थानीय कलाकारों और तकनीशियनों को अवसर उपलब्ध कराने तथा पर्यटन स्थलों को व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। फिल्म यूनितों के आगमन से होटल, परिवहन, खान-पान, स्थानीय सेवाओं और अन्य संबंधित क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ने की संभावनाएं भी मजबूत होती हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अक्षय कुमार और आलिया भट्ट ने नखरेवाली के ट्रेलर की तारीफ कर नवीदित कलाकार अंश दुग्गल का बढ़या हैसला



बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म नखरेवाली के ट्रेलर की सराहना करते हुए नवीदित कलाकार अंश दुग्गल को शुभकामनाएं दी हैं।फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। इसी बीच अक्षय कुमार और आलिया भट्ट ने भी अंश की हैसला अफजाई की और उनके फिल्मी सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। अक्षय कुमार ने ट्रेलर पर प्रतिक्रिया देते हुए अंश की तारीफ की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने लिखा, मजा आ गया अंश!! महादेव करें तू बहुत बड़ा स्टार बने... बस मेहनत करते रहो, काम करते रहो, आगे बढ़ते रहो! नखरेवाली के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। जय महादेव।वहीं, आलिया भट्ट ने भी ट्रेलर की सराहना करते हुए अंश के सफर का मजेदार अंदाज में जिक्र किया। उन्होंने लिखा, शर्मिलेपन से बाहर निकलकर नखरेवाली बनने तक का सफर, अंश! यह तो बहुत मजेदार लग रही है! जिओ स्टूडियोज और कलर येलो प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत नखरेवाली एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो प्यार, रिश्तों और महिला-पुरुष की सोच एवं भूमिकाओं को मनोरंजक अंदाज में पेश करती है। फिल्म का निर्देशन राहुल शंखल्या ने किया है, जबकि इसकी कहानी दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव मुख्य भूमिकाओं में हैं।नखरेवाली 30 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यादें के सेट पर पप्पीज़ के साथ वक्त बिताती हैं गुलकी जोशी

सोनी सब के धारावाहिक यादें के कलाकार गुलकी जोशी और इकबाल खान इन दिनों शूटिंग के बीच सेट पर आए नन्हें मेहमानों यानी पप्पीज़ के साथ सुकून भरे पल बिता रहे हैं।धारावाहिक में डॉ. देव मेहता (इकबाल खान) सामुदायिक सेवा के लिए किक्लरी गांव में रहने पहुंच गए हैं। इसी दौरान सेट पर कुछ पप्पीज़ की मौजूदगी कलाकारों और क़रू के लिए खुशी का खास मौका बन गई है। शूटिंग के बीच ये पप्पीज़ सेट पर इधर-उधर घूमते हैं और कलाकारों के साथ खेलते हैं। गुलकी जोशी और इकबाल खान भी अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर उन्हें दुलार करते हैं।इ धारावाहिक में डॉ. सुष्टि की भूमिका निभा रहीं गुलकी जोशी ने कहा कि सेट पर पप्पीज़ के आते ही सभी कुछ ढेर के लिए शूटिंग की व्यवस्था भूल जाते हैं। उन्होंने बताया कि वह अक्सर दृश्यों की शूटिंग के बीच उनके साथ खेलती हैं और उन्हें खूब दुलार करती हैं। पप्पीज़ का उनके पीछे-पीछे घूमना और रिहर्सल के दौरान पास आकर बैठ जाना उन्हें बेहद अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि इन नन्हें मेहमानों ने किक्लरी में शूटिंग के अनुभव की और भी मजेदार बना दिया है।वहीं, डॉ. देव मेहता की भूमिका निभा रहे इकबाल खान ने कहा कि पप्पीज़ को जैसे ही शूटिंग के बीच ब्रेक मिलता है, वे कलाकारों के पास पहुंच जाते हैं। कई बार चर्चा के दौरान वे चुपचाप आकर पास बैठ जाते हैं और सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं।



अनिल कपूर ने बुजुर्ग छात्राओं को झुककर किया सलाम, शिक्षिका को बताया जादूगरनी

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर स्टार प्लस के शो इंडिया के टॉप 1% में पढ़ाई के प्रति जुनून रखने वाली बुजुर्ग महिलाओं की कहानी से भावुक हो गये। अनिल कपूर ने इन महिलाओं को पढ़ाने वाली शिक्षिका शीतल के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें जादूगरनी कहा। शो में महाराष्ट्र के खांगण गांव से पहुंचीं प्रतियोगी शीतल ने बताया कि वह बुजुर्ग महिलाओं के लिए सुख किए गए स्कूल में पढ़ाती हैं। उनकी छात्राएं उम्र से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद बचपन में अधूरे रह गए पढ़ाई के सपने को पूरा कर रही हैं। शीतल ने बताया कि याददाश्त, नजर



और सुनने से जुड़ी परेशानियों के बावजूद ये महिलाएं पूरे उत्साह से पढ़ाई करती हैं और खेलकूद में भी हिस्सा लेती हैं। उनके सीखने के जन्मे ने अनिल कपूर को भावुक कर दिया। अनिल कपूर ने शीतल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को पढ़ाना मुश्किल होता है, लेकिन बुजुर्गों को सिखाना और भी कठिन है। उन्होंने महिलाओं को दोबारा बचपन जीने का अवसर देने के लिए शीतल को जादूगरनी की संज्ञा दी। इस दौरान बुजुर्ग छात्राओं ने वीडियो संदेश के जरिए अनिल कपूर को अपने स्कूल आने का न्योता दिया। इस पर उन्होंने मराठी में कहा, आजी शिकली, प्रगती झाली जिसका अर्थ है कि दादी ने पढ़ाई की, तो तरकी की राह खुली। महिलाओं के जन्मे को सलाम करते हुए अनिल कपूर उनकी तस्वीर के सामने झुके और तस्वीर में उनके पैर छूकर सम्मान व्यक्त किया। इंडिया के टॉप 1%-द अनिल कपूर शो का प्रसारण हर शनिवार और रविवार रात आठ बजे स्टार प्लस पर होता है। इसे जियोहॉटस्टार पर भी देखा जा सकता है।

जटिल किरदारों से चालाक शकुनि तक, चंदन आनंद ने साझा किया अभिनय का अनुभव

सोनी सब के धारावाहिक हस्तिनापुर के वीर में शकुनि का किरदार निभा रहे अभिनेता चंदन आनंद ने अपने अभिनय सफर और किरदारों को गहराई से समझने की प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए हैं। हस्तिनापुर के वीर में पांडवों और कौरवों के शुरुआती जीवन तथा उनके व्यक्तित्व को आकार देने वाले रिश्तों और अनुभवों को दर्शाया गया है। धारावाहिक में शकुनि का किरदार अपनी बुद्धिमत्ता, पैनी नजर और दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता के कारण खास महत्व रखता है। चंदन



आनंद के अनुसार, शकुनि केवल एक चतुर रणनीतिकार नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार को समझने वाला ऐसा व्यक्ति है, जो दूसरों की कमजोरियों को पहचानकर बातचीत के जरिए उनके विचारों को प्रभावित करना जानता है। किरदार की आवाज के लहजे, शारीरिक मुद्राओं और संवाद अदायगी की बारीकियों के माध्यम से अभिनेता उसके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को सामने लाने का प्रयास कर रहे हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए चंदन आनंद ने कहा कि हर किरदार उन्हें अभिनय के बारे में कुछ नया सिखाता है। जटिल किरदार निभाने के दौरान अभिनेता को केवल उसके बाहरी व्यवहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसके फैसलों के पीछे की वजहों को भी समझना चाहिए। कई बार छोटी-सी बारीकी किसी किरदार के बारे में उतना बता देती है, जितना कोई बड़ा नाटकीय दृश्य नहीं बता पाता।इन्होंने कहा कि वह शकुनि को केवल उसकी चालाक योजनाओं के लिए पहचाने जाने वाले किरदार के रूप में नहीं, बल्कि अपनी सोच और नजरिया रखने वाले व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं।



डूंडासिवनी



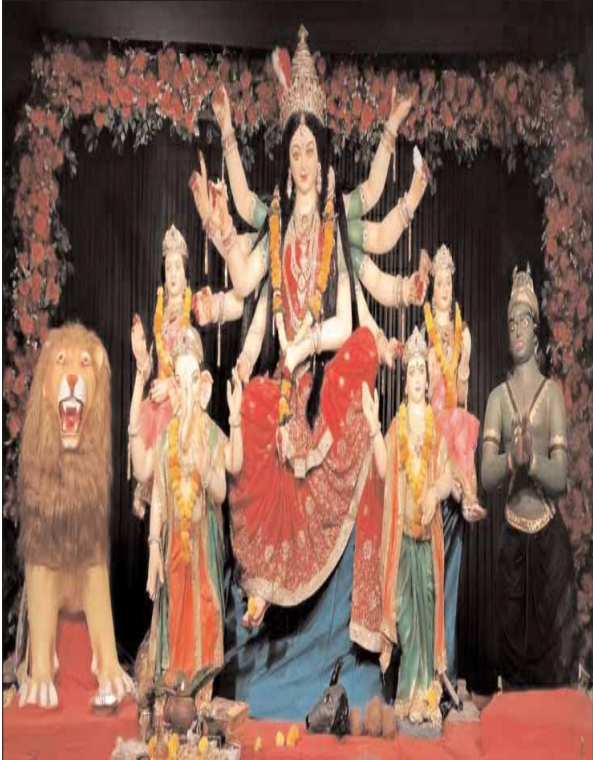
ईश्वर नगर ज्यारत नाका में विराजी मां भगवती



अंबिका चौक, कॉलेज रोड



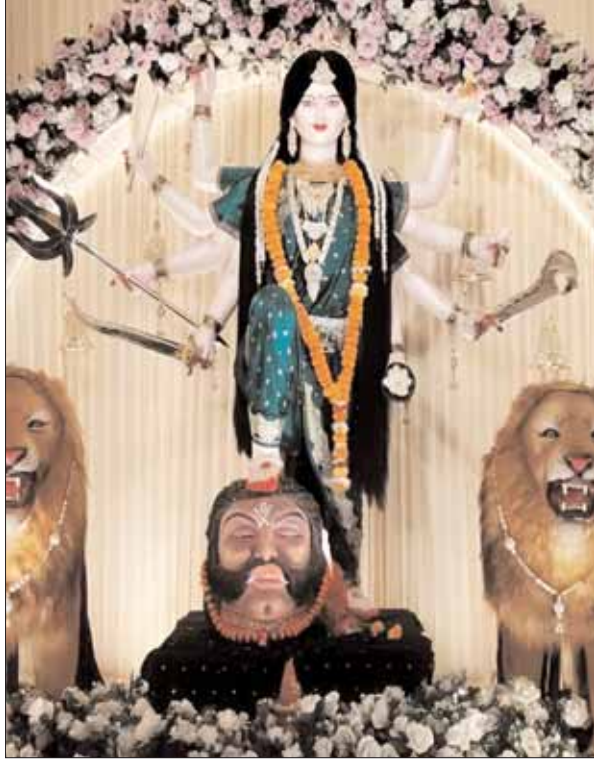
भवानी मढ़िया



सोमवारी चौक



दलसागर



बस स्टैंड



शंकर मढ़िया



विंध्यवासिनी मंदिर, गणेश चौक



छिंदवाड़ा रोड, रेलवे क्रॉसिंग के पास



छिंदवाड़ा चौक



आज़ाद वाई

शारदीय नवरात्र में ज्वाला देवी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, 316 मनोकामना ज्योति कलश स्थापित

सिवनी। शारदीय नवरात्र महोत्सव के पावन अवसर पर भैरोंगंज, परतापुर रोड स्थित सिद्धपीठ ज्वाला देवी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिल रहा है। माँ आदिशक्ति के दर्शन के लिए दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर है। इस वर्ष मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा 316 मनोकामना ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं। यह परंपरा भक्तों की गहरी आस्था और विश्वास का प्रतीक है। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएँ पूर्ण होने पर माँ के चरणों में ज्योति कलश स्थापित कर कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

देशभर में फैली है माँ ज्वाला देवी के प्रति आस्था

माँ ज्वाला देवी के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था केवल सिवनी जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों एवं महानगरों तक फैली हुई है। मंदिर में स्थापित मनोकामना ज्योति कलश दिखी, मणिपुर, मुंबई, पुणे, नागपुर, इंदौर, भोपाल, बैतूल, नर्मदापुरम, नेपानगर (बुरहानपुर), जबलपुर, सागर, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा सहित सिवनी जिले और अन्य स्थानों के श्रद्धालुओं द्वारा स्थापित किए गए हैं। यह माँ के प्रति भक्तों की अटूट श्रद्धा और विश्वास की दर्शाता है। नवरात्र महोत्सव के दौरान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, नवचंडी पाठ, हवन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। आचार्य अजय शास्त्री द्वारा नवचंडी पाठ संपन्न कराया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

अष्टमी पर पूजन-हवन, नवमी को मौन

आसन एवं भव्य कलश विसर्जन शोभायात्रा



महोत्सव के अंतर्गत 18 अक्टूबर, अष्टमी को शाम 5 बजे पूजन एवं हवन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 19 अक्टूबर, नवमी को दोपहर 2 बजे नवमी पूजन तथा दोपहर 3 बजे मौन आसन का आयोजन होगा। इस अवसर पर पुजारी जी द्वारा भक्तों को मनोकामना पूर्ति के लिए विशेष भेंट प्रदान की जाएगी। इसके पश्चात पुजारी जी द्वारा सवा किलो जलते हुए खप्पर के साथ हवन कुंड की परिक्रमा की जाएगी, जिसे मंदिर की विशिष्ट धार्मिक परंपरा माना जाता है। इसी क्रम में शाम 5 बजे मंदिर परिसर से भव्य कलश विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा के दौरान मनोकामना ज्योति कलश स्थापित करने वाली माताओं-बहनों की स्मृति

चिह्न भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। रात्रि में मंदिर परिसर में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है जिसमें श्रद्धालुओं जन उपस्थित होकर भण्डार प्रसाद जरूर ग्रहण करें।

दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु, मंदिर में किए गए विशेष इंतजाम

नवरात्र के दौरान सुबह से देर रात तक मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। भक्त माँ ज्वाला देवी के दिव्य दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं। सिवनी जिले के साथ-साथ प्रदेश के अन्य जिलों एवं विभिन्न राज्यों से भी श्रद्धालु लगातार मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिससे दर्शन एवं धार्मिक आयोजन सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

162 शनिवारों से निरंतर हो रहा संगीतमय सुंदरकांड पाठ

सिद्धपीठ ज्वाला देवी मंदिर आज क्षेत्र में आस्था और भक्ति के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है। मंदिर की एक विशेष धार्मिक परंपरा यह भी है कि यहाँ लगातार 162 शनिवारों से संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन में प्रत्येक सप्ताह बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भक्ति, आध्यात्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करते हैं। मंदिर में निरंतर हो रहे धार्मिक अनुष्ठान माँ भगवती के प्रति भक्तों की अटूट श्रद्धा एवं समर्पण की दर्शाते हैं।



कटंगी की महारानी के दरबार में पहुंचे पूर्व मंत्री नितिन राऊत

कटंगी (स्वतंत्र मत)। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर महाराष्ट्र शासन के पूर्व मंत्री एवं विधायक नितिन राऊत ने कटंगी नगर की प्रसिद्ध छेत्रा रोड स्थित कटंगी की महारानी के दर्शन किए। माता के दरबार में पहुंचते ही उन्होंने पूरे भक्ति भाव से माता रानी के जयकारे लगाए और नगर की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। दर्शन के दौरान नितिन राऊत ने वहां मौजूद नर्तकी कन्याओं से भेंट की और उन्हें देश की शक्ति बताते हुए उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि कन्याएं ही साक्षात् दुर्गा का रूप हैं और इनमें ही देश का भविष्य निहित है। कटंगी की महारानी के दर्शन कर वे काफी प्रसन्न नजर आए और उन्होंने इसके लिए समिति के सदस्यों का हृदय से आभार जताया। इस अवसर पर उनके साथ प्रशांत मेश्राम, संजय वैद्य, राहुल राजत और वरिष्ठ पत्रकार अमजद खान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

निजी मकान में लग रही सरकारी स्कूल

एक शिक्षक- पांच कक्षाएं और 24 बच्चा का भविष्य, भवन बना मुसीबत

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने एक कार्यक्रम के दौरान एक करोड़ 25 लाख महिलाओं के खाते में 1875 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई। सरकार का उद्देश्य है कि वह इसके माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना चाहती है। लेकिन जब बात उन महिलाओं के उन बच्चों को गुणवत्ता शिक्षा की बात आती है, तो बजट आड़े आ जाता है। इसका सीधा उदाहरण मध्य प्रदेश के बालाघाट में देखने को मिला, जहां पर एक गांव का प्राथमिक स्कूल एक छप्पर में लग रहा है। ऐसा नहीं है कि शासन-प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं है। दरअसल, सालों से जर्जर रहे स्कूलों को डिमेंटल करने के निर्देश प्रशासन ने ही थे। बावजूद इसके नए भवन बनाने के लिए अब तक अफसरों ने फंड पास नहीं किया। बालाघाट से महज 20 किलोमीटर दूर नेवरागांव में एक प्राइमरी स्कूल किसी के निजी घर में चल रहा है। उसमें वह भी पूरी तरह खुला हुआ। एक पंखा ऊपर



चल रहा है और एक ही मास्टर जी पूरी पांच कक्षाओं के 24 बच्चों को पढ़ा रहे हैं। यह सिलसिला करीब तीन महीने से चल रहा है। बच्चे कहते हैं कि जब हम स्कूल की कल्पना करते हैं, तो हमारे मन में आता है स्कूल में सर, मैडम होना चाहिए। अच्छी बिल्डिंग, जिसमें पंखे हो, बाथरूम हो पानी हो। साथ ही खेलने के लिए मैदान हो और वहां छाव के लिए पेड़ भी होना चाहिए। लेकिन एमपी के सरकार स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए सिर्फ यह एक सपना है। उन स्कूलों में आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हुए परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। शायद इसलिए सरकार उन बच्चों को बेहतर भविष्य नहीं देना चाहती है। किसी के मकान के लिए पढ़ाए जा रहे हैं...नेवरागांव स्कूल

में पदस्थ शिक्षक कहते हैं कि यह स्कूल बीते तीन महीने से किसी के मकान में चल रहा है। कुछ बच्चों को आगनवाड़ी भवन में जरूर बिठाते हैं लेकिन टीकाकरण और दूसरे कार्यक्रमों के दौरान बच्चों को बैठक व्यवस्था में समस्या आती है। बारिश आती है, तो समस्या बढ़ जाती है...बच्चों का कहना है कि सामान्य दिनों में यहां बैठकर पढ़ते हैं। धूप आती है। ऐसे में धूप की वजह से सिरदर्द भी होता है। वहीं, बारिश हो गई तो छप्पर में पानी की झड़प यानी बौछार भी आती है। ऐसे में हर स्थिति में पढ़ाई खराब हो जाती है। एक महिला का कहना है कि अब से तीन महीने पहले जब स्कूल गिराया गया था, तब कहा गया था कि जल्द ही स्कूल बनवाया जाएगा।



मां की दित्य छवियों को अपलक निहारते रहे श्रद्धालु

विद्युत सज्जा और बंगाली पूजा की परंपरा ने बांधा समां, कहीं नौ देवियों का दरबार तो कहीं महाकाली का विकराल स्वरूप

कटनी (स्वतंत्रमत)

शहर में नवरात्र की रातों भक्ति, रोशनी और मां दुर्गा के मनमोहक स्वरूपों के नाम रहें। देर रात तक विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। कहीं नौ देवियों का भव्य दरबार सजा तो कहीं मां महाकाली और पाताल भैरवी के स्वरूप ने भक्तों को मंत्रमुग्ध किया। आकर्षक विद्युत सज्जा, सजीव प्रतीत होती प्रतिमाओं और पूजा-अनुष्ठानों के बीच लोग मां की छवि को अपलक निहारते रहे। कई पंडालों में रतजगे जैसा माहौल नजर आया और गलियां देर रात तक जयकारों से गुंजती रहें।
नौ देवियों के दरबार से महाकाली के विराट स्वरूप तक
शेर चौक स्थित दुर्गा उत्सव समिति के पंडाल में नौ देवियों की स्थापना श्रद्धालुओं के

आकर्षण का केंद्र बनी। वहीं जय माता दी दुर्गा उत्सव समिति ने मां महाकाली और पाताल भैरवी के स्वरूप को विशेष रूप दिया। लक्ष्मी नारायण मंदिर, गहोई धर्मशाला के सामने स्थापित प्रतिमाओं और द्वारका भवन के पंडाल में भी दर्शन के लिए लोग पहुंचते रहे। कचहरी चौक और मोहन टांकीज क्षेत्र में सजे पंडालों ने भी उत्सवी माहौल को भव्यता दी। शहर की पुरानी धार्मिक परंपराओं को सहेजे श्री विंध्याचल दुर्गा उत्सव समिति का आयोजन भी श्रद्धालुओं के बीच खास रहा। समिति की स्थापना वर्ष 1961 बताई जाती है। मोहन टांकीज व्यापारी संघ, अल्फर्टगंज और संस्कृत पाठशाला स्थित दुर्गा मंदिर के आसपास भी नवरात्र की रौनक दिखाई दी।
सुभाष चौक से घंटाघर तक रोशनी और आस्था का संगम- आकर्षक सजावट ने लोगों का ध्यान खींचा। सजी मंडी क्षेत्र में सिद्धपीठ

समिति, नव वीणा दुर्गा उत्सव समिति और गर्ग चौराहा दुर्गा पूजा समिति के आयोजन भी आकर्षण का केंद्र बने। गर्ग चौराहा स्थित मित्र मिलन समिति और घंटाघर की नीरज दुर्गा उत्सव समिति के पंडालों में महामाई, मां काली, लक्ष्मी और सरस्वती के स्वरूपों के दर्शन के लिए लोग पहुंचे। घंटाघर स्थित सत्य साईं दुर्गा उत्सव समिति के सेल्फी पॉइंट पर भी लोगों की दिलचस्पी नजर आई। भोले बाबा दुर्गा उत्सव समिति, पुरानी बस्ती गली और आजाद चौक की दुर्गा पूजा समितियों ने भी सजावट और प्रतिमाओं से श्रद्धालुओं को आकर्षित किया।

नई बस्ती की बंगाली पूजा में दिखी अनूठी परंपरा
नई बस्ती की निगम गली स्थित बंगाली सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति और काली माता मंदिर क्षेत्र में बंगाली परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना का विशेष आकर्षण रहा। द्वारका भवन और नई बस्ती की बंगाली पूजा में धार्मिक अनुष्ठानों और पारंपरिक माहौल ने अलग छाप छोड़ी। यहां मां के दर्शन के साथ पूजा पद्धति को देखने और अनुभव करने के लिए भी श्रद्धालु देर तक रुकते रहे। शहर के अलग-अलग हिस्सों में सजे पंडालों ने नवरात्र को सामूहिक आस्था के उत्सव में बदल दिया है। प्रतिमाओं की भव्यता, विद्युत सजावट और पूजा-अर्चना के बीच देर रात तक उमड़ते श्रद्धालु इस बात की गवाही देते रहे कि कटनी में मां दुर्गा की आराधना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान भी है।

दशहरा उत्सव का बैनर फाड़े जाने पर विवाद आयुक्त ने किया कार्रवाई का आश्वासन, तब माने पदाधिकारी

कटनी (स्वतंत्रमत)। चौपाटी में 21 अक्टूबर को होने वाले रावण दहन कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए मिशन चौक पर लगे बैनर को नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते द्वारा निकाले जाने के बाद बवाल हो गया। बैनर उतारे जाने के बाद श्री बजरंग उत्सव समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नगर निगम के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दी। समिति की मांग थी कि अतिक्रमण दस्ते के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तत्काल निलंबित किया जाए। विरोध प्रदर्शन के बीच नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार द्वारा मामले की जांच करवाकर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के आश्वासन पर बजरंग उत्सव समिति ने धरना समाप्त कर दिया। बताया जाता है कि मिशन चौक के पास लगे लेस बैनर को फाड़े जाने से नाराज होकर बजरंग उत्सव

समिति ने शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम के अतिक्रमण विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अधिकारी मनेंद्र सिंह के विरोध में नारे लगाए। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम कार्यालय के बाहर रास्ता जाम कर दिया, जिससे आवागमन भी प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। दरअसल पूरा मामला मिशन चौक के पास का है, जहां नवरात्र पर्व के अवसर पर लेस-बैनर लगाए गए थे। आरोप है कि नगर निगम के अतिक्रमण विभाग के कर्मचारियों ने इन लेस बैनर को फाड़ दिया। इस घटना से नाराज समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नगर निगम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान अतिक्रमण विभाग के अधिकारी मनेंद्र सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पूरे मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए और नगर निगम प्रशासन को इस संबंध में अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। विरोध प्रदर्शन के दौरान नगर निगम कार्यालय के बाहर रास्ता जाम होने से यातायात प्रभावित हुआ।

स्पा सेंटरों की आड़ में देह व्यापार का भंडाफोड़ मुख्य सप्लायर पुलिस गिरफ्त में असम-मुंबई से बुलाई जाती थीं लड़कियां

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहे अवैध देह व्यापार के काले कारोबार के खिलाफ महिला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस सैकेट को संचालित करने और स्पा सेंटरों में लड़कियां सप्लाय करने वाले मुख्य सप्लायर हनी गुप्ता को गिरफ्तार किया लिया है। एसपी अभिनव विश्वकर्मा के निर्देश पर महिला थाना प्रभारी वर्षा सोनकर इस मामले की गहनता से जांच कर रही हैं। मुखबिर की सूचना पर महिला थाना प्रभारी वर्षा सोनकर के नेतृत्व में बरगवां स्थित नेचुरल थाई स्पा और अवा स्पा सेंटरों पर छापामार कार्रवाई की गई थी। मौके से कई लड़कें और लड़कियां आपाजिकन स्थिति में पकड़े गए थे,

जिसके बाद पुलिस ने लगभग 10 लोगों को पहले ही जेल भेज दिया था। जांच में खुलासा हुआ कि हनी गुप्ता पिछले 2-3 वर्षों से इस अवैध धंधे से जुड़ा हुआ था। वह नाम बदलकर अलग-अलग स्पा सेंटरों के संचालन में पर्दे के पीछे रहकर मुख्य भूमिका निभाता था। पुलिस ने उसके पास से लेजदेन के हिसाब किताब की रसीदें और मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसमें कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस पड़ताछ और सबूतों के मुताबिक हनी गुप्ता असम, बंगाल, राजस्थान, दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों से लड़कियों को कटनी बुलवाता था। इन लड़कियों को स्पा सेंटर में काम के बदले कोई वेतन नहीं दिया जाता था, बल्कि केवल रहने और खाने की सुविधा दी जाती थी। स्पा सेंटरों का संचालन अमूमन वहां काम करने वाले सफाई कर्मियों या अन्य मामूली कर्मचारियों के नाम पर किया जाता था, जबकि असली मालिक पर्दे के पीछे रहकर खेल चलाते थे। पुलिस अब हनी गुप्ता के मोबाइल और दस्तावेजों के आधार पर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य बड़े चेहरों की सरगमीं से तलाश कर रही है। जल्द ही और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

सरकारी कार्यालय को समझा निजी पार्किंग

कटनी (स्वतंत्रमत)। महिला सुरक्षा शाखा के नवागत उप पुलिस अधीक्षक संधीर चौधरी ने प्रभार ग्रहण करते ही परिसर में खड़ी गाड़ियों को हटवाया एवं प्रतिदिन फेंके जाने वाले कचरे को नगर निगम को फोन कर हटवाया, जिससे परिसर अब साफ सुथरा हो गया है। इसके अलावा नगर निगम में अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों का चालान किया गया। डीएसपी कार्यालय को पार्किंग स्थल समझने वालों पर चार पहिया वाहनों पर कार्रवाई की गई। शासकीय कार्यालयों को अनधिकृत पार्किंग से मुक्त कराने की दिशा में उप पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई की है, जिससे सरकारी कार्यालयों को निजी पार्किंग स्थल समझने वालों को स्पष्ट संदेश दिया गया है। उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) कार्यालय परिसर में लंबे समय से चार पहिया वाहनों की पार्किंग के कारण बन रही अव्यवस्था पर उप पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करते हुए वाहनों को हटवाया। जिन वाहन मालिकों से संपर्क हो सका, उन्हें तत्काल वाहन हटाने के निर्देश दिए गए, जबकि संपर्क नहीं हो पाने वाले वाहन मालिकों के वाहनों के चालान काटकर ऑनलाइन भेजे गए।

मुड़वारा स्टेशन के आउटर में मिली युवक की लाश बेटियों के लिए समोसा लेने आगरा स्टेशन पर उतरा था युवक

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुड़वारा रेलवे स्टेशन के आउटर क्षेत्र में शुक्रवार को युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर जीआरपी और रंगनाथ नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान गोलू बैन पुत्र होलन बैन निवासी भारत चौक के रूप में हुई है। रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र के भारत चौक निवासी गोलू बेन कुछ दिन पहले अपनी पत्नी दुर्गा और तीन बच्चों के साथ पंजाब में रहने वाली बहन के यहां घूमने गया था। वहां कुछ दिन रुकने के बाद परिवार गुरुवार को जमूतवी एसप्रेस से कटनी लौट रहा था। सफर के दौरान आगरा स्टेशन पर गोलू बेटियों के लिए

समोसा लेने ट्रेन से नीचे उतरा। इसी दौरान ट्रेन रवाना हो गई और वह स्टेशन पर ही रह गया। पत्नी और बच्चे ट्रेन में आगे निकल गए। पति के पास मोबाइल फोन न होने के कारण संपर्क भी नहीं हो सका। गुरुवार रात 3 बजे ट्रेन कटनी पहुंची तो पत्नी को उम्मीद थी कि पति शायद किसी दूसरे कोच में बैठ गया होगा और स्टेशन पर

उतरने के बाद मिल जाएगा। कटनी पहुंचने पर बेटियों के साथ रात भर पत्नी दुर्गा ने पति का इंतजार किया लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसी बीच शुक्रवार सुबह रेलवे ट्रैक पर उसका शव मिला। इसके बाद परिवार में शोक छा गया। पुलिस के मुताबिक युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से होने की आशंका है।

चूना भट्टे में मजदूरों का शोषण 12 से 14 घंटे करवाया जा रहा काम, 400 रुपये दे रहे मजदूरी

कटनी (स्वतंत्रमत)

कैमोर से लगे ग्राम देवसरी में चूना भट्टे में मजदूरों के शोषण का मामला सामने आया है। यहां मजदूरों से 14 घंटे तक काम करवाया जा रहा है, जो कि शिकायतें मिली हैं। मजदूरों को मात्र 400 रुपये मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है और कोई सुविधा भी नहीं दी जा रही है। विपैले धुएं से मजदूरों को बचाने के लिए न तो मास्क दिया जा रहा और न ही गलब्स और जूते। नियमों की बात करें तो श्रमिक से 8 घंटे से अधिक मजदूरी नहीं कार्रवाई जा सकती और मजदूरी भी कलेक्टर रेट के अनुसार दी जाना चाहिए, लेकिन यहां मजदूरों का जमकर शोषण किया जा रहा है। मजदूरों को अपनी जान जोखिम में डालकर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। श्रमिकों ने बताया कि यह चूना भट्टा कटनी निवासी किसी कुशवाहा का है। चूना भट्टा संचालक की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में भी की गई है

लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। आबादी के बीच भट्टे का संचालन जानकारी के मुताबिक ग्राम देवसरी में आबादी के बीच चूना भट्टे का संचालन किया जा रहा है। सुबह से शाम और देर रात तक भट्टे से धुआं निकलता है, जिससे गांव के लोगों का जीना दूधर हो गया है। पिछले कुछ समय में यहां कई लोग टीबी सहित अन्य बीमारियों का शिकार होकर मौत के शिकार हो चुके हैं। गांव

में प्रदूषण की शिकायत किये जाने के बाद रस्म अदायगी के लिए अधिकारी जांच के लिए आते हैं लेकिन कार्रवाई नहीं होती। विडम्बना इस बात की कि श्रमिकों के कल्याण के लिए काम करने वाले संगठनों ने भी कभी इस ओर ध्यान नहीं दिया। संबंधित विभाग के अधिकारी भी मूकदर्शन बने हुए हैं। आदिवासियों की जमीन में कजा मजदूरों का शिकायत में यह भी बताया कि भट्टे से लगी

आदिवासियों की जमीन पर भी बेजा कजा किया गया है। स्थानीय प्रशासन को इसकी शिकायत भी की गई और जमीन के सीमांकन के लिए कहा गया लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने कहा कि वे यहां सालों से निवास बनाकर रह रहे हैं। इसके बाद भी उनकी पेशानियों की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। चूना भट्टा संचालक द्वारा भी कोई सुविधाएं उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है।

इनका कहना है
चूना भट्टे में मजदूरों के शोषण की शिकायत मिली है। मामले की जांच कराई जा रही है। टीम को मौके पर भेजा जाएगा और वस्तु स्थिति का पता लगाकर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मजदूरों को यदि सुविधाएं नहीं दी जा रही है तो यह नियमविरुद्ध है।

सुधांशु तिवारीक्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण विभाग कटनी



श्री खेरमाई मां दुर्गात्सव समिति लमती विजयनगर



मंदिर बाली मां परिवार उपरैनगंज दीक्षितपुरा



मित्र मिलन दुर्गात्सव समिति दीक्षितपुरा



शक्ति संस्थान महाकाली समिति



बड़ी होली महाकाली गठिया मोहल्ला



मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेश जयवर्धने ने इस्तीफा दिया
नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेश जयवर्धने ने शनिवार, 17 अक्टूबर को पद छोड़ दिया। 49 साल के जयवर्धने का यह मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल था। वे 2025 सीजन से पहले दोबारा टीम के हेड कोच बने थे। जयवर्धने ने अपने पहले कार्यकाल में मुंबई इंडियंस को 2017, 2019 और 2020 में आईपीएल खिताब जिताने में मदद की। टीम 2025 में चौथे स्थान पर रही और क्वालिफायर-2 में हार गई थी।

मानसी और थुलासिमथि मुरुगेसन की सेमीफाइनल में एंट्री

नई दिल्ली। मानसी जोशी और थुलासिमथि मुरुगेसन ने एशियन पैरा गेम्स में महिला युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाकर लगातार दूसरी बार भारत के लिए मेडल पक्का कर लिया है। भारतीय जोड़ी ने 2023 में हांगझोऊ में आयोजित पिछले एशियाड में सिल्वर मेडल जीता था। दोनों खिलाड़ियों ने चीन की यूमेई लियू और टोंगटोंग ली को 21-10, 21-17 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने एक मुकाबला शेष रहते ग्रुप-ए में टॉप-2 में अपनी जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों जोड़ियों को ब्रॉन्ज मेडल



मिलने के कारण इस जीत के साथ ही भारत का मेडल पक्का हो गया। मानसी और थुलासिमथि ने इससे पहले शुक्रवार को इंडोनेशिया की राहायु वारिनिंग और कोनिताह इख्तियार स्याकुरोह को हराया था। भारतीय जोड़ी अंतिम ग्रुप मुकाबले में चीन की यांग क्यूशिया और शियाओ जुशियान से भिड़ेगी।

कृष्णा नागर ने अंतिम-8 में बनाई जगह-कृष्णा नागर ने पुरुषों के एकल एसएच6 ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए क्वाटर-फाइनल में जगह बना ली। कृष्णा ने इंडोनेशिया के सुभान को 21-13, 21-15 से हराकर ग्रुप सी में शीर्ष दो खिलाड़ियों में अपना स्थान सुनिश्चित किया।



श्री जयमाता महाकाली समिति बधैया मोहल्ला शातिनगर



रेवा दुर्गा उत्सव समिति मेडिकल



छोटी होली स्थित माता महाकाली



नवयुवक भैरव दुर्गात्सव समिति शास्त्रीनगर चौराहा



नेहरू नगर व्यापारी संघ दुर्गात्सव समिति मेडिकल

भारतीय पैरा-एथलीट अनमोल वशिष्ठ पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया

नयी दिल्ली। मार्च में नई दिल्ली वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री के दौरान, प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉयड के लिए टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद, अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक कमिटी (आईपीसी) ने भारत के अनमोल वशिष्ठ पर तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। आईपीसी के अनुसार, 11 मार्च को पुरुषों की जैवलिन थ्रो एफ55 स्पर्धा के दौरान लिए गए यूरिन सैंपल में, डी हाइड्रोक्लोरो मिथाइल-टेस्टोस्टेरोन के मेटाबोलाइट की मौजूदगी पाई गई। डोपिंग नियमों के अनुसार, जो वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) की 2026 की प्रतिबंधित सूची में शामिल है। मामले की जांच के दौरान, 24 अप्रैल को वशिष्ठ को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। बाद में उन्होंने एंटी-



अनुमति होगी।आईपीसी ने नई दिल्ली ग्रां प्री में पुरुषों की जैवलिन थ्रो एफ55 स्पर्धा के साथ-साथ, उस प्रतियोगिता में वशिष्ठ के अन्य सभी परिणामों को भी अमान्य घोषित कर दिया है। इस प्रतियोगिता में जीते गए उनके सभी मेडल, पॉइंट और पुरस्कार वापस ले लिए जाएंगे।

डोपिंग नियमों के उल्लंघन (एंटीआरवी) और आईपीसी द्वारा लगाई गई सजा को स्वीकार कर लिया। उनके तीन साल के प्रतिबंध की अवधि 24 अप्रैल, 2026 से 23 अप्रैल, 2029 तक रहेगी। इस दौरान, वे किसी भी खेल प्रतियोगिता या अन्य खेल गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। हालांकि, उन्हें अधिकृत एंटी-डोपिंग शिक्षा और पुनर्वास कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति होगी।आईपीसी ने नई दिल्ली ग्रां प्री में पुरुषों की जैवलिन थ्रो एफ55 स्पर्धा के साथ-साथ, उस प्रतियोगिता में वशिष्ठ के अन्य सभी परिणामों को भी अमान्य घोषित कर दिया है। इस प्रतियोगिता में जीते गए उनके सभी मेडल, पॉइंट और पुरस्कार वापस ले लिए जाएंगे।

नीरज चोपड़ा ने 2027 में जोरदार वापसी का रखा लक्ष्य

मुंबई। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने अगले साल जोरदार वापसी करने का लक्ष्य रखा है। टखने की चोट के कारण उनका 2026 का सीजन समय से पहले ही खत्म हो गया, जिससे वे डायमंड लीग फाइनल और आइसी-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से बाहर हो गए।



एशियाई खेलों में उन्हें अपने जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) खिताब का बचाव करना था। टोक्यो 2020 ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस 2024 में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा को इस सीजन की शुरुआत में ट्रेनिंग के दौरान टखने के लिंगामेंट में चोट लग गई थी। यह चोट उन्हें तब लगी

जब उन्होंने लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया था - जो इस सीजन में उनका

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। 2028 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक को देखते हुए, 28 वर्षीय चोपड़ा अब पूरी तरह से ठीक होने और अगले साल बेहतरीन फॉर्म के साथ प्रतियोगिताओं में वापसी करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, ओलंपिक में अभी कुछ समय है; यह 2028 में आयोजित होगा। जैसा कि आप जानते हैं, मुझे चोट लग गई थी, लेकिन अब मैं वापसी की प्रक्रिया में हूँ।

चीनी, चावल के दाम बढ़े, गेहूं नरम

दालों और खाद्य तेलों में घट बढ़

नयी दिल्ली।



घरेलू थोक जिन बाजारों में शनिवार को चीनी की कीमत में तेजी बनी रही। चीनी के साथ चावल के दाम भी बढ़ गये। गेहूं में नरमी देखी गई जबकि दालों और खाद्य तेलों में घट बढ़ रही। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 11 रुपये बढ़कर 5,386 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गुड़ भी 12 रुपये महंगा हुआ और 5,936 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत दो पैसे बढ़कर 57.84 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 53 रुपये बढ़कर

4,317 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। गेहूं पांच रुपये सस्ता हुआ और 2,891 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। वहीं, आटे के भाव में कमोबेश टिकाव रहा। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 61 रुपये और चना दाल की 51 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंग दाल 45 रुपये और उड़द दाल 39 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई है।

केंद्र ने आईएफएससी फंड, विमान और जहाज लीजिंग कंपनियों के नियमों में दी बील

नई दिल्ली। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों (आईएफएससी) में संचालित निवेश कोषों के लिए कार्यालय स्थान और लीज संबंधी दस्तावेजों की प्रक्रिया को सरल बना दिया है और पात्र विमान और जहाज लीजिंग इकाइयों को कार्यालय का बुनियादी ढांचा और कर्मचारियों को साझा करने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा, इकाइयों की मंजूरी के नवीनीकरण के लिए विशिष्ट मानदंड निर्धारित किए गए हैं। इसके लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) नियमावली, 2006 में आवश्यक संशोधनों की अधिसूचना जारी कर दी गयी है। इन संशोधनों के तहत आईएफएससीए द्वारा किसी व्यावसायिक इकाई प्रदान की गई।

आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक पुनर्गठन को लेकर मीडिया की चर्चाओं पर वित्त मंत्रालय ने दिया स्पष्टीकरण

नयी दिल्ली। सरकार ने आईडीबीआई बैंक के कारोबार का नियंत्रण एक चयनित भागीदार को सौंपने के फैसले को लेकर शनिवार को स्पष्ट किया कि इस वित्तीय संस्थान में सरकार की हिस्सेदारी से संबंधित संसद की पिछली बहसों से इसके रणनीतिक पुनर्गठन के सरकार के अधिकार पर कोई अंकुश नहीं लगता। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में स्पष्ट किया कि न्यायालय में भी इस मुद्दे पर पहले विचार हो चुका है और न्यायालय की व्यवस्था है कि संसद में किसी विधेयक पर बहस के दौरान कुछ भी कहा गया हो पर यदि वह उसके द्वारा पारित अधिनियम में शामिल नहीं की गयी हो तो वह उस कानून का हिस्सा नहीं हो सकती। मंत्रालय ने मीडिया के कुछ हलकों में प्रकाशित प्रसारित खबरों के संदर्भ में यह स्पष्टीकरण जारी किया है। मंत्रालय ने स्पष्टीकरण में कहा है ,



आईडीबीआई (निरसन) अधिनियम, 2003 का विधायी इतिहास, दिल्ली उच्च न्यायालय का न्यायिक निर्णय और लगातार प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट भाषण सामूहिक रूप से आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के संबंध में सरकार की नीति के विकास को दर्शाते हैं। मंत्रालय ने कहा है कि न्यायालय का 17 दिसंबर, 2018 का निर्णय स्पष्ट करता है कि संसदीय बहसों के दौरान दिए गए वक्तव्यों के

आधार पर वचनबद्धता विबंधन (प्रॉमिसरी एस्टॉपल) के सिद्धांत का सहारा लेकर आईडीबीआई बैंक लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी कम करने की सरकार की शक्ति को सीमित नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने आगे यह भी कहा कि अधिनियमित कानून में आईडीबीआई बैंक लिमिटेड में सरकार की हिस्सेदारी कम करने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया था।मिडिया की रिपोर्टों में आईडीबीआई में सरकार की हिस्सेदारी से संबंधित वर्ष 2003 के विधायी घटनक्रमों पर टिप्पणियाँ और विचारों का उल्लेख किया गया है। मंत्रालय ने इस पर कहा है कि केंद्रीय बजट, 2003 पर चर्चा तथा आईडीबीआई (निरसन) अधिनियम, 2003 पर संसदीय बहस के दौरान सरकार की हिस्सेदारी में कमी को सीमित करने के उद्देश्य से एक संशोधन प्रस्तुत किया गया था।

मध्यप्रदेश में निवेश हर दृष्टि से आपको लाभ देगा: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश में की प्रमुख निवेशकों से भेंट, मध्यप्रदेश में निवेश प्रोत्साहन के लिए लागू की गई नीतियों की दी जानकारी

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आंध्र प्रदेश में निवेशकों से मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापना का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा मध्यप्रदेश सरकार की औद्योगिक विकास की प्रोत्साहनकारी नीतियों के कारण निवेशकों द्वारा किए गए निवेश पर उन्हें हर स्थिति में लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को आंध्र प्रदेश में निवेशकों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेश के नए अवसरों और औद्योगिक साझेदारियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में हो रहे कार्यों की जानकारी निवेशकों को दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा में बताया कि मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश की व्यापक संभावनाओं और अनुकूल औद्योगिक वातावरण का लाभ सभी को मिल रहा है। राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन की 25 सरलीकृत नीतियां विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आने में सहायक बन रही हैं। मध्यप्रदेश में धार जिले में पीएम मित्र पार्क और ग्वालियर में टेलीकॉम सैल्यूफैक्चरिंग इकाई में महत्वपूर्ण निवेश अब क्रियान्वयन की ओर है। हाल ही में जबलपुर-इंदौर औद्योगिक कॉरिडोर की योजना तैयार की गई है। यह कॉरिडोर प्रदेश के बड़े व्यापक भू-भाग की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की विजयवाड़ा में सुप्रसिद्ध अभिनेता विजय देवरकोंडा एवं अभिनेत्री श्रीमती रश्मिका मंदाना से भी भेंट हुई।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश फिल्म शूटिंग के क्षेत्र में देश में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। प्रदेश की फिल्म-फ्रेंडली नीतियां, फिल्म निर्माताओं को आकर्षित करने में सफल हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को जीआईएस 2027 का आमंत्रण देते हुए आयोजन की रूपरेखा की जानकारी दी जिसमें भोपाल में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपति और निवेशक एकत्र होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 2025 में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई थी जिसमें 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए थे। इन प्रस्तावों में से एक विहाई प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

निवेशकों से की वन-टू-वन चर्चा

टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोहन स्पिनेटेक्स इंडिया लिमिटेड के संस्थापक एवं प्रबंध संचालक वी.

ब्लेंडिंग, पैकिंग एवं वितरण केंद्र विकसित करने पर विचार-विमर्श किया गया।

विकास की संभावनाओं पर चर्चा

इंजीनियरिंग क्षेत्र में क्रिस्टना इंजीनियरिंग वर्क्स के संचालक बी. राजा शेखर के साथ प्रदेश के सीमेंट, खनन और विद्युत उत्पादन क्षेत्रों की औद्योगिक आवश्यकताओं पर चर्चा हुई। इन उद्योगों के समीप कास्टिंग, मशीनिंग, कलपुर्जों और सर्विस सेंटर से संबंधित इकाइयों की स्थापना की संभावनाओं पर विचार किया गया। रामकोर ग्रुप के अध्यक्ष के.वी.एस. प्रकाश राव से प्रदेश में वाणिज्यिक वाहनों और ट्रैक्टरों के डीलर नेटवर्क के विस्तार तथा ऑटो-सर्विस क्षेत्र में कौशल विकास पर चर्चा हुई। सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत पर्यटन एवं होस्पिटैलिटी क्षेत्र में निवेश को लेकर फॉर्च्यून मुरली ग्रुप के प्रबंध संचालक श्री मुत्तवरपु मुरली (कृष्णा) से संवाद हुआ। मुख्यमंत्री ने उज्जैन, इंदौर और ऑंकोरश्वर में होटल व्यवसाय एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधोसंरचना और नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। ऋत्विक प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रमोटर एवं लोकसभा सांसद डॉ. सी.एम. रमेश तथा कंपनी के कार्यकारी संचालक सी.एम. राजेश के साथ प्रदेश में निवेश की

संभावनाओं पर चर्चा हुई। कंपनी अधोसंरचना विकास, इंजीनियरिंग एवं निर्माण, सिंचाई, बांध निर्माण और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में कार्यरत है।

औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ने की संभावनाओं पर विचार

बोंडाडा ग्रुप के अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक डॉ. बोंडाडा राघवेंद्र राव के साथ भी प्रदेश में निवेश के अवसरों पर विचार-विमर्श हुआ। समूह नवकरणीय ऊर्जा, सोलर परियोजनाओं, टेलीकॉम और रेलवे अधोसंरचना के क्षेत्रों में कार्य करता है। नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड के प्रमोटर एवं संचालक सी. गोविंद विश्वेश से अधोसंरचना और नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं पर चर्चा हुई। सीवीआर समूह से जुड़ी नवयुग इंजीनियरिंग एवं चिंता ग्रीन एनर्जी कंपनियां पुल, टनल, बंदरगाह, सिंचाई, सौर ऊर्जा, बैटरी भंडारण और पंपड स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। खाड़ी देशों के निवेशकों से संपर्क बढ़ाने के लिए आईडीएफआईसी, दुबई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस.एस. राजू से चर्चा की गई। इसमें खाड़ी देशों और प्रवासी भारतीयों के निवेश को प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ने की संभावनाओं पर विचार हुआ। इंटरनेशनल स्टार्टअप कंउंडेशन, मिडिल ईस्ट के अध्यक्ष रावुरी एस. राव के साथ मध्यप्रदेश के स्टार्टअप्स को खाड़ी देशों के निवेशकों और बाजारों से जोड़ने पर संवाद हुआ।



शिवधाम से रामधाम तक 930 किलोमीटर की सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा

इंदौर

इंदौर प्रेस क्लब में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह की एक महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता संपन्न हुई। इस दौरान इंदौर शहर कांग्रेस जुड़े विभिन्न ज्वलंत और समसामयिक विषयों पर बेबाकी से अपने विचार साझा किए। पत्रकार वार्ता के दौरान इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिट्ठ चौकसे, के.के. मिश्रा, पूर्व शहर अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा, प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया तथा नीलाभ शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित हुए। पत्रकार वार्ता में दिग्विजय सिंह ने भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन से प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या तक

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रदेश के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर मीडिया को कथ्या संबोधित

आयोजित होने वाली 930 किलोमीटर की शिवधाम से रामधाम यात्रा के उद्देश्यों और आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका और महामहिम राष्ट्रपति को ऑनलाइन याचिका के जरिए जापान देने के अभियान पर चर्चा की। उन्होंने आमजन से इस अभियान से जुड़ने और समर्थन देने के लिए टोल-फ्री नंबर 8982626282 पर मिस्ड कॉल करने की अपील की। उत्तराखंड की

अंकिता भंडारी के माता-पिता के धरने का समर्थन करते हुए उन्होंने मामले में भाजपा नेताओं के नाम सामने आने के संदर्भ में सख्त कार्रवाई और न्याय की मांग उठाई। इसके साथ ही उन्होंने उज्जैन में भारत न्यास की दी गई जमीन तथा सरस्वती शिशु मंदिर को तोड़कर महाकाल मंदिर के समीप बनाए जा रहे होटल के मामले पर उन्होंने गंभीर सवाल उठाए। कार्यक्रम के अंत में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया ने इंदौर प्रेस क्लब में उपस्थित प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, वेब और डिजिटल मीडिया के सभी पत्रकार साथियों का बहुमूल्य समय देने और जनहित के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अधीक्षक अभियंता दमोह ने ली निर्माण संभाग के संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक

दमोह (स्वतंत्र मत)। अधीक्षक अभियंता दमोह द्वारा वृत्त कार्यालय दमोह में ऊर्जा विभाग के एसटीएम/एसटीसी संभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2025.26 में द्वा किये गये वितरण ट्रांसफार्मरों के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यपालन अभियंता संचा/संधा उत्तर एवं दक्षिण संभाग दमोह से जानकारी ली गई। जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि कार्यदेश जारी किये जा चुके हैं। समीक्षा के दौरान मुख्य रूप से कार्यपालन अभियंताएं उत्तर एवं दक्षिण संभाग-दमोह को आवंटित किये गये क्षमतावृद्धि एवं अतिरिक्त ट्रांसफार्मर से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर 63, 100 एवं 200 केव्ही के उत्तर संभाग-दमोह अंतर्गत 30 नं. एवं दक्षिण संभाग दमोह अंतर्गत 29 नं. वितरण ट्रांसफार्मर तथा क्षमतावृद्धि के उत्तर संभाग दमोह के अंतर्गत 262 नं. तथा दक्षिण संभाग दमोह अंतर्गत 99 नं. वितरण ट्रांसफार्मर की वितरण केन्द्रवार एवं ग्रामवार विस्तृत सूची तीन दिवस के अंदर वृत्त कार्यालय में प्रस्तुत करने हेतु कार्यपालन अभियंता उत्तर एवं दक्षिण संभाग दमोह को निर्देशित किया गया। अधीक्षक अभियंता द्वारा बैठक में निर्देश दिए गए कि क्षमतावृद्धि एवं अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापना के कार्य दीपावली पूर्व करना सुनिश्चित करें।

मरीजों के उपचार में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर



दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने नोहटा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद लोगों से चर्चा कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। चर्चा के दौरान ग्रामीणजनों ने कलेक्टर को बताया कि अस्पताल में डॉक्टर पूरे समय उपलब्ध नहीं रहते हैं तथा दवाइयों की भी पर्याप्त उपलब्धता नहीं है। ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री यादव ने संबंधित डॉक्टर को निर्देश दिए कि वे निर्धारित समय तक अस्पताल में उपस्थित रहकर मरीजों का नियमित परीक्षण एवं उपचार सुनिश्चित करें। मरीजों को इलाज के लिए परेशान न होना पड़े और उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले। श्री यादव ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी निर्देशित किया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में निर्धारित मानकों के अनुसार पर्याप्त दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है और इसमें किसी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर का बनवार क्षेत्र में औचक भ्रमण

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने बनवार क्षेत्र का औचक भ्रमण कर स्थानीय स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र और अस्पताल का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र में छोटे-छोटे बच्चों से बातचीत की और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गांव में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां साप्ताहिक बाजार लगता है, वहां निर्दिष्ट रूप से सफाई सुनिश्चित कराई जाए ताकि स्वच्छ वातावरण बना रहे। आयुष्मान आरोग्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान पर्याप्त दवाएं उपलब्ध नहीं होने की स्थिति सामने आने पर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दूरभाष पर तत्काल निर्देशित किया कि केंद्र में सभी आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्कूल परिसर की व्यवस्थाओं, आंगनवाड़ी केंद्र में बिजली कनेक्शन तथा नियमानुसार रसोइयों की उपलब्धता के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री यादव ने कहा आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आवश्यक जनसुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए संबंधित विभाग अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। कलेक्टर ने नोहटा के समीप स्थित मुख्यमंत्री गोशाला का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गोवंश को अपने हाथों से केला एवं अन्य आहार खिलाया तथा गोशाला में उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गोशाला में गोवंश के लिए सभी आवश्यक और समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गोशाला संचालक ने गोचर भूमि की मांग रखते हुए बताया कि इस संबंध में प्रकरण अभी लंबित है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए प्रकरण के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा इस भ्रमण का उद्देश्य क्षेत्र में शासकीय संस्थानों की व्यवस्थाओं का जायजा लेनाएं कमियों को दूर कराना तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा।

मां की आराधना ही सर्वोपरि सांसद : राहुल सिंह

दमोह (स्वतंत्र मत)।

जगत जननी माता की आराधना के पंचम दिवस पर शिवनगर दमोह में विराजमान माता की आराधना हेतु सांसद राहुल सिंह लोधी ने माता की पूजन अर्चन कर गरबा का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। सांसद राहुल सिंह ने मां के चरणों में विनती करते हुए कहा कि हमारे भारतीय संस्कृति में माता की आराधना को सर्वोपरि माना गया है। मां की आराधना से जहां जीवन की दुख कष्ट का हरण होता है सवही हमें शुद्ध समर्पित भावना भाव के स्वरूप में मां की शक्ति प्राप्त होती है। दुर्गा उत्सव कार्यक्रम में आलोक गोस्वामी शिव मंदिर कमेटी के अध्यक्ष संजय पाठक सचिव महेंद्र



राय ने मां की चुनरी उड़ा कर सांसद का सम्मान किया। सामाजिक समस्याओं हेतु मंदिर कमेटी के माध्यम से संपूर्ण समाज की महिलाओं द्वारा गरबा किया गया सांसद महोदय का समस्त महिला मंडल समस्त माता के स्वरूप में

बालिकाओं ने भी स्वागत किया है ससंपूर्ण शिव नगर वासियों के द्वारा मां की आराधना में अपने भाव प्रस्तुत किया। दुर्गा उत्सव कार्यक्रम में शिव मंदिर के पुजारी अमित समदड़िया, पूरन राय, भरत समदड़िया, अशोक पाठक, रिकू

जैन, विद्याधर मिश्र हरेन्द्र व्यास, नितिन श्रीवास्तव, प्रकाश राय, अमित नामदेव, सतीश असादी, राहुल जैन, अंशु जैन, रोहित जैन सपन साहू, शैलेंद्र जैन अकू राय, विक्रम राजपूत एवं समस्त शिव नगर परिवार की उपस्थिति रही।

जिला स्तरीय युवा

उत्सव दमोह में 24 को

दमोह (स्वतंत्र मत)। युवा शक्ति से जनभागीदारीप् के उद्देश्य से दमोह जिले में जिला स्तरीय युवा उत्सव वर्ष 2026-27 का आयोजन 24 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से मानस पीजी कॉलेज दमोह में किया जाएगा। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादिग की अध्यक्षता में कार्यालय पुलिस अधीक्षक दमोह में जिला स्तरीय युवा उत्सव समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें आयोजन से संबंधित आवश्यक निर्णय लिए गए।

जिला स्तरीय युवा उत्सव दमोह में 24 को

दमोह (स्वतंत्र मत)। युवा शक्ति से जनभागीदारीप् के उद्देश्य से दमोह जिले में जिला स्तरीय युवा उत्सव वर्ष 2026-27 का आयोजन 24 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से मानस पीजी कॉलेज दमोह में किया जाएगा। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादिग की अध्यक्षता में कार्यालय पुलिस अधीक्षक दमोह में जिला स्तरीय युवा उत्सव समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें आयोजन से संबंधित आवश्यक निर्णय लिए गए।

युवा शक्ति से जनभागीदारीप् के उद्देश्य से दमोह जिले में जिला स्तरीय युवा उत्सव वर्ष 2026-27 का आयोजन 24 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से मानस पीजी कॉलेज दमोह में किया जाएगा। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादिग की अध्यक्षता में कार्यालय पुलिस अधीक्षक दमोह में जिला स्तरीय युवा उत्सव समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें आयोजन से संबंधित आवश्यक निर्णय लिए गए।

जनसुनवाई में 24 आवेदन प्राप्त

अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)। जबरे विधानसभा क्षेत्र के नोहटा स्थित निज निवास रानी अवंती बाई परिसर में शनिवार को क्षेत्रवासियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर क्षेत्रवासियों ने अपने आवेदन प्रस्तुत किए जिनमें कुल 24 लिखित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में मौके पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों

के माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाते हुए संबंधित समस्याओं के यथासंभव शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सुनना, उनकी शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित करना तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न

योजनाओं और सुविधाओं का लाभ दिलाना है। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के माध्यम से आमजन को अपनी समस्याएं सीधे प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है जिससे शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में सहायता मिलती है।

शांति समिति में उठी मांग को किया नजरअंदाज, गड्डों में भर रहे बोल्टर

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर की बदहाल सड़कों को दुरुस्त करने और गड्डों से निजात दिलाने की मांग का असर धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है। पिछले दिनों थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में सड़कों के गड्डे भरने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान करने के बजाय गड्डों में बोल्टर और मलवा भरकर औपचारिकता निभाई जा रही है। इससे राहगीरों की परेशानी कम होने के बजाय दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ गया है। शांति समिति की बैठक में विशेष रूप से बस स्टैंड से विश्राम गृह मार्ग पर स्थित रपटे के दोनों ओर बने गहरे गड्डों और रपटे



बस स्टैंड, विश्राम गृह मार्ग से लेकर ककराई रोड तक बदहाल सड़कों खतरा, दशहारा जुलूस से पहले सड़कों दुरुस्त करने की मांग

मलवा डाला जा रहा है। सड़क की सतह समतल होने के बजाय उबड़-खाबड़ बनी हुई हैए जिससे दोपहिया वाहन चालकों और अन्य राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रपटे से निकले सरिए भी दुर्घटना की आशंका को बढ़ा रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब शांति समिति की बैठक में



खेरमाता को 351 मीटर चुनरी की अर्पित

दमोह (स्वतंत्र मत)। नवरात्रि के पावन पर्व पर ग्राम हिरदेपुर बहाऊ देवी माता मंदिर से विशाल चुनरी यात्रा लालनबाग वृंदावन कॉलोनी खेरमाता देवी को अर्पित की गई। इसका आयोजन देवी प्रजापति परिवार द्वारा किया गया जहां पर 351 मीटर की विशाल चुनरी यात्रा दोपहर 3 बजे ग्राम हिरदेपुर बहाऊ देवी माता मंदिर में पूजन अर्चन से प्रारंभ होकर ढीजे की धुन देवी गीतों महिलाओं बच्चों नाचे हुए चुनरी यात्रा लालन बाग वृंदावन कॉलोनी खेरमाता देवी मंदिर परिसर पहुंची जहां पंडित जी द्वारा पूजा अर्चना कर लाल चुनरी माता रानी को अर्पित कराई। मां की कृपा से सभी की मनोकामना पूरी होती है। इस आयोजन में देवी प्रजापति, संदीप, ज्योति प्रजापति परिवार का विशेष सहयोग रहा। चुनरी यात्रा में सभी ग्राम वासियों ने बहुचढ़कर हिस्सा लिया और माता रानी के लिए चुनरी अर्पित की। इसके बाद मातारानी की आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

आम सूचना	नामसुधार सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री कन्हैया आहुता पिता राजकुमार आहुता, निवासी 1338/5, गड्डटाउन, जबलपुर वाले ने पीजा करसेता, ह.नं. 78, खसम नं. 386/1/1 का हिस्सा प्लॉट कब्जा 2024 वर्षकूट, तह. अधासाल से स्थित संपत्ति को श्री राजबहाोर साहू पिता गम किशोर साहू स.ं हि. गि.व. विजय पत्र दिनांक 03-02-2023 ई-पंजीकृत संख्या MP182552023A11437902 के द्वारा क्रय किया है। एवं श्री राजबहाोर साहू द्वारा उक्त संपत्ति का रॉज, बेनामा दिनांक 14-08-2012 दस्तावेज नं. 2547 को द्वारा श्री हजोत सिंह तलवार, व इन्दजीत कौर, परमियर कौर, चरणजीत सिंह, सभी द्वारा मुक्यावर आय गम बहाोर साहू द्वारा क्रय किया एवं मालिक काबिज है। अतः किसी भी व्यक्ति, फर्म, बैंक या वित्तीय संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा म्याद उग्रत अज्ञापित अन्वया होगी।	मैं कल्याण कुमार राय पिता स्व. भूरेदास राय, निवासी प्लाट नं 25 का भाग श्री विहार कॉलोनी, वार्ड क्र. 19, कमला नेहरू जिला जबलपुर म.प्र. आधार नं. 3680 5761 8115 निम्नलिखित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि - 1- यह कि मेरे पूर्व के बने हुए पासपोर्ट नं मेरा नाम कल्याण राय (KALYAN KUMAR RAI) है मेरा पूरा नाम कल्याण कुमार राय (KALYAN KUMAR RAI) है। 4- यह कि मेरा पासपोर्ट में दर्ज मेरा नाम कल्याण राय (KALYAN KUMAR RAI) के स्थान पर मेरा नाम KALYAN KUMAR RAI दर्ज किया जावे। 5- यह कि कल्याण कुमार राय (KALYAN KUMAR RAI) एवं कल्याण राय (KALYAN RAI) यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है तथा मुझे कल्याण कुमार राय (KALYAN KUMAR RAI) के नाम से जाना व पहचाना जावे।
अजनीकांत द्विवेदी, अधिवक्ता 526, बजरंग नगर, कर्मोरा, जबलपुर दिनांक-17.10.2026 फ़ोन-94234307441	शपथकर्ता कल्याण राय

